mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-251 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
11 सितम्बर 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

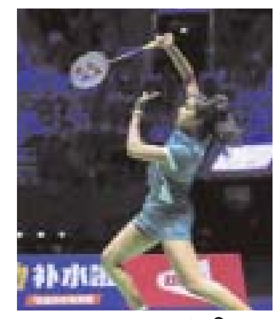

हांगकांग ओपन बैडमिंटन

@ पेज 7

हाईकोर्ट बोला- ऑफिस में महिलाओं का सेक्सुअल हैरेसमेंट हो रहा

पुरुषों की सोच नहीं बदली; जज ने कहा- महिला डर, शिष्टाचार और माफी में जीती है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा- भले ही सख्त कानून बने हों, लेकिन ऑफिस में महिलाओं के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट अभी भी हो रहा है। क्यों पुरुषों की सोच नहीं बदली है।

वर्क-प्लेस पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामले में सुनवाई को दौरान जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा- एक महिला चाहे घर हो या ऑफिस हमेशा डर, शिष्टाचार और माफी के बीच जीती है।

उन्होंने कहा कि शेक्सपियर की कविता महिलाओं की जिंदगी को सही ढंग से बयां करती हैं। आगे पंक्तियां पढ़ी, पहले मेरा डर, फिर मेरा शिष्टाचार, और आखिर में मेरी बात। मेरा डर आपका नाराज होना है, मेरा शिष्टाचार मेरा कर्तव्य और मेरी बात आपसे माफी मांगने के लिए।

अब पूरा मामला समझिए: यह केस जम्मू-कश्मीर के एक सरकारी अधिकारी आसिफ हमीद खान से जुड़ा है। उसपर दिसंबर 2014 में एक महिला ने शिकायत दर्ज कर सेक्सुअल हैरेसमेंट और धमकी देने का आरोप लगाया था।

आसिफ हमीद खान ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके कहा कि विभागीय जांच में उन्हें पहले ही बरी कर दिया गया है।

इसके अलावा, पुलिस ने केस में क्लोजर रिपोर्ट भी दाखिल कर दी थी। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने उन्हें समन जारी कर दिया। खान ने इसी आदेश को चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने मंगलवार को आसिफ हमीद खान की अपील खारिज कर दी, साथ में 4 बड़ी बातें कही...

- सिर्फ विभागीय जांच में बरी होना, किसी FIR से छूट पाने का आधार नहीं हो सकता।
- ट्रायल कोर्ट ने सही किया कि क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया और केस की सुनवाई आगे बढ़ाई।
- यह केस समाज का आइना है, जहां महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने की बातें तो होती हैं, लेकिन हकीकत में मानसिकता वही पुरानी है।
- पढ़ी-लिखी महिला होने के बावजूद शिकायत करने वाली को उत्पीड़न झेलना पड़ा। यहां तक कि ऊंचे सरकारी पद भी महिलाओं को सेक्सुअल हैरेसमेंट से नहीं बचा पाते।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- सेक्सुअल हैरेसमेंट पर राज्य कंप्लेंट कमेटी बनाएं-सभी राज्य वर्क-प्लेस पर महिलाओं को सेक्शुअल हैरेसमेंट से बचाने के लिए इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (ICC) बनाएं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने गोवा यूनिवर्सिटी के एक पूर्व प्रोफेसर की याचिका पर दिसंबर 2024 को यह निर्देश दिया था। बेंच ने कहा कि था, महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रिवेंशन ऑफ सेक्शुअल हैरेसमेंट एक्ट (PoSH) 2013 में आया था। इतने वक्त बाद भी इसे लागू करने में इतनी गंभीर खामियां मिलना चिंताजनक है। ऐसा होना बहुत ही ज्यादा दुखद है, क्योंकि इसका राज्यों की कार्यशैली, पब्लिक अथॉरिटी और पब्लिक संस्थानों पर खराब असर पड़ता है।

अमेरिकी टैरिफ पर कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी

वित्त मंत्री बोलीं- भारत की ओर से सभी दरवाजे खुले

मुंबई, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ जारी व्यापार विवाद को सुलझाने के लिए कूटनीतिक स्तर पर बातचीत तेज कर दी है। अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर 50त्न आयात शुल्क लगा दिया है। इसका असर झींगा, वस्त्र, चमड़ा और जूता-चप्पल जैसे श्रम-आधारित उद्योगों पर पड़ रहा है।

सीतारमण ने कहा कि भारत की ओर से सभी दरवाजे खुले रखे गए हैं और अमेरिका से बातचीत जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत बातचीत को किसी भी तरह मुश्किल नहीं बनाना चाहता। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है।

कर्नाटक में कांग्रेस विधायक सैल गिरफ्तार

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

बंगलूरू, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की ओर से यह कार्रवाई राज्य में कथित अवैध लौह अयस्क निर्यात से जुड़े धन शोधन के एक मामले में की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, उत्तर कन्नड़ की कारवार विधानसभा सीट से 59 साल के विधायक को संघीय जांच एजेंसी के बंगलूरू क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के बाद मंगलवार देर रात हिरासत में ले लिया गया। उन्हें मंगलवार को एक विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक दिन की हिरासत में भेज दिया गया। उन्हें बुधवार को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी उनकी नई हिरासत की मांग करेगी।

गिरफ्तार किए जाने वाले दूसरे कांग्रेस विधायक-सैल पिछले कुछ हफ्तों में ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने वाले दूसरे कांग्रेस विधायक हैं। पिछले महीने के अंत में एजेंसी ने चित्रदुर्ग के विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी को कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

इलेक्शन कमीशन की राज्य अधिकारियों के साथ बैठक

देशभर में वोटर्स वेरिफिकेशन कराने पर चर्चा; बिहार में आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (CEO) ज्ञानेश कुमार सहित इलेक्शन कमीशन के सीनियर अधिकारियों की बुधवार को राज्य चुनाव अधिकारियों के साथ मीटिंग जारी है। इसमें देशभर में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) यानी वोटर्स वेरिफिकेशन, कराने की तैयारियों को लेकर चर्चा की जा रही है।

आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद, पूरे देश में SIR लागू किया जाएगा। इस साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह शुरू हो सकती है। इसका मुख्य मकसद जन्म स्थान की जांच करके अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है।

फरवरी में मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभालने के बाद ज्ञानेश कुमार की यह तीसरी बैठक है। इसमें सीनियर अधिकारी जहां आयोग की SIR पॉलिसी पर

प्रजेंटेशन देंगे, वहीं बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी SIR के क्रियान्वयन में राज्य का एक्सपीरियंस शेयर करेंगे।

इससे पहले, चुनाव आयोग ने मंगलवार को बिहार चुनाव आयोग को लेटर भेजकर मतदाताओं की पहचान के लिए आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने का निर्देश दिया। चुनाव आयोग का यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 8 सितंबर के आदेश के बाद आया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- आधार पहचान का प्रमाण, नागरिकता का नहीं सुप्रीम कोर्ट में 8 सितंबर को बिहार में SIR (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने कहा- आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर मानने का भी आदेश दिया।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि आधार को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो इसकी जांच कराएं। कोई भी नहीं चाहता कि अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

असम सीएम बोले- राज्य में सीएए की अहमियत नहीं

बंगाली हिंदूओं को भारत में इंद्रा-गांधी ने जगह दी, उन्हें विदेशी मानने का कोई कारण नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, राज्य के बंगाली हिंदू ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) के तहत आवेदन नहीं किया है, क्योंकि उन्हें पूरा भरोसा है कि वे भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने कहा- बंगाली हिंदुओं को विदेशी मानने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि वे 1971 से पहले यहां आ चुके थे। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उन्हें 1971 में लाई थीं और उन्होंने कभी नहीं कहा था कि उन्हें वापस भेजा जाएगा।

असम में CAA महत्वहीन : इमिग्रेशन एंड फॉरनर्स (एक्सेम्प्शन) ऑर्डर, 2025 लागू होने के बाद कोई नया आवेदन नहीं आया है। इस आदेश के तहत अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई 31 दिसंबर 2024 तक भारत में बिना पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के रह सकते हैं। CAA में नियम है कि इन समुदायों के लोग यदि 31 दिसंबर 2014 या उससे पहले भारत आए हैं, तो उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी। सरमा ने कहा कि अगर लाखों आवेदन आते हैं तो हम इस पर विचार करेंगे, लेकिन फिलहाल असम में यह मुद्दा महत्वहीन है।

नेपाल अब सेना के कंट्रोल में

फिर भी हिंसा जारी, सुप्रीम कोर्ट में खाक हुईं 25 हजार फाइलें; 27 उपद्रवी गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का आज तीसरा दिन है। हिंसक प्रदर्शन रोकने के लिए सेना ने मंगलवार रात 10 बजे से पूरे देश का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है। इसके बाद भी कई इलाकों में हिंसा जारी है। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी थी, जिसके चलते 25 हजार से ज्यादा केस फाइलें राख में बदल गईं। वहीं, आज सेना ने 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। सेना का कहना है कि ये लोग स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं। इसके अलावा 23 बंदूकें, मैगजीन और गोलियों सहित 31 अलग-अलग तरह के हथियार भी जब्त किए गए हैं। केपी शर्मा ओली पीएम पद से इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ चुके है। यहां हिंसक प्रदर्शन में अब तक 23 लोगों की मौत हुई, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं।

3 पूर्व प्रधानमंत्रियों के घर जलाए : आंदोलनकारियों ने कल नेपाल के 3 प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, झालानाथ खलान और पुष्प कमल दहल प्रचंड के घर में आग लगा दी। पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगाने से उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर मारा।

नेपाल से भागे 10 कैदियों को सीतामढ़ी बॉर्डर पर पकड़ा

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर ट्रकों की 5 किमी लंबी लाइन, 10 हजार गाड़ियां फंसी

अररिया,मधुबनी, किशनगंज, मोतिहारी,एजेंसी। नेपाल में भड़की हिंसा के बाद बिहार के 6 जिलों पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल और किशनगंज की इंटरनेशनल बॉर्डर को सील कर दिया गया है। जिसके बाद बॉर्डर पर ट्रकों की 5KM लंबी लाइन लग गई है। करीब 10 हजार गाड़ियां फंसी हैं। मंगलवार को हुए जलेश्वर जेल ब्रेक में 577 कैदियों में से 576 कैदी फरार हो गए। देर रात सीतामढ़ी के रास्ते भारत में घुसने की कोशिश कर रहे 10 कैदियों को SSB ने पकड़ा है। इनमें 2 भारतीय और 8 नेपाली हैं। इधर, नेपाल में हिंसा के बाद पर्यटकों की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। अररिया के जोगबनी बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। किशनगंज के गलगलिया के भातगांव बॉर्डर से नेपाल आने-जाने पर रोक लगाई गई है। मधुबनी के जयनगर रेलवे स्टेशन से नेपाल के जनकपुर तक ट्रेन चलती है। नेपाल में बिगड़ते हालात और उग्र विरोध-प्रदर्शन के बाद इंडो-नेपाल रेल सेवा को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया गया है।

नेपाल से लौट रहे भारतीय नागरिक : नेपाल में भड़की हिंसा के बाद वहां रह रहे भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में भारत लौट रहे हैं। मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर से बुधवार की सुबह 10 बजे तक नेपाल से लोग भारत आए, लेकिन अब इस बॉर्डर को भी सील कर दिया गया है।

इंदौर में बच्चों की मौत के बाद ऑपरेशन रैट किल

डॉक्टर्स रोकेंगे चूहे, कितने मारे और पकड़े, इसकी रिपोर्ट बनाएंगे; NICU पर खास फोकस

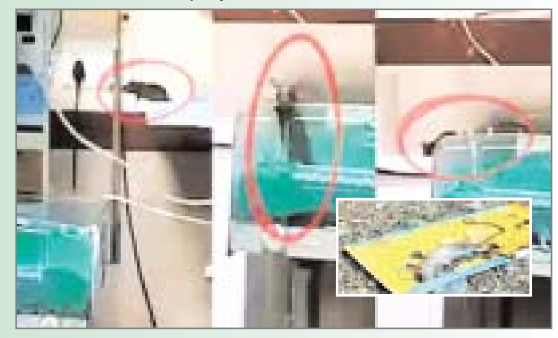

इंदौर, एजेंसी। इंदौर के सरकारी एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो नवजातों की मौत के बाद पेस्ट कंट्रोल एजाइल कंपनी को हटाने की जानकारी सामने आई है। अब इस काम की मॉनिटरिंग के लिए मंगलवार रात डॉ. महेश कछारिया को असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट की नियुक्ति कर विशेष जिम्मेदारी दी गई है। अस्पताल में हर यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर को चूहों का सफाया करने की ड्यूटी दी गई है। अस्पताल में चूहों को पकड़ने के लिए चूहामार दवाइयां (कुछ विशेष तरह का पॉयजन, जिसका तुरंत असर हो) डाली जा रही हैं। साथ ही हर यूनिट में बड़े पिंजरे और रोडेंट ग्लू ट्रेप (जिसमें कुतरने वाले जीव, खासकर चूहे, फंस जाते हैं) लगाए जा रहे हैं।

बता दें, नवजातों की मौत के मामले में डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव सहित अन्य पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

कितने चूहे पकड़ाए, इसकी जवाबदेही इंचार्ज की : चूहों को पकड़ने को लेकर तुरंत फीडबैक लिया जा रहा है कि रातभर में कितने चूहे पकड़े गए और कितने मारे गए। इसके लिए हर यूनिट के इंचार्ज की जवाबदेही तय की गई है कि 24 घंटे में क्या नतीजे रहे। इसमें NICU (Neonatal Intensive Care Unit) और PICU (Pediatric Intensive Care Unit) पर खास फोकस है।

नवजातों को शिकार बनाते हैं चूहे : दूसरी मंजिल पर इन NICU और PICU में पूरे कॉरिडोर में गार्डों को सख्त हिदायत दी गई है कि यहां किसी भी हालत में चूहों की एंट्री नहीं होनी चाहिए। इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल, इन दोनों यूनिट्स में उन गंभीर नवजात शिशुओं को रखा जाता है, जिनकी स्थिति काफी क्रिटिकल रहती है। इनमें से अधिकतर वेंटिलेटर पर रहते हैं।

पंजाब के 2000 गांवों में अभी भी बाढ़,जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 16 दिन बाद शुरू

हरियाणा में 46प्रतिशत ज्यादा बारिश

नई दिल्ली/भोपाल,एजेंसी। पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। 2000 से ज्यादा गांवों में अभी भी बाढ़ का पानी भरा है। केंद्र ने पंजाब को 1600 करोड़ की मदद का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर में जम्मू घाटी की लाइफ लाइन माने जाने वाले जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बुधवार को 16 दिन बाद ट्रैफिक के लिए खोला गया। सड़क पर कई जगहों पर लगातार लैंडस्लाइड के कारण इसे बंद रखा गया था। सबसे ज्यादा उदयपुर और रामबन जिलों में नुकसान हुआ था। NH की बहाली से कश्मीर घाटी से फलों और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति दोबारा से शुरू हुई है। लद्दाख के सियाचिन बेस कैम्प में हिमस्खलन से 3 जवान शहीद हुए। हरियाणा में 9 सितंबर तक सामान्य से 46% ज्यादा बारिश हो चुकी है। राज्य में औसतन 385.1mm बारिश होती थी, जो अब तक 563.8mm हो चुकी है। अब तक सबसे ज्यादा बारिश यमुनानगर में 1080.8mm दर्ज की गई है। गुजरात के बनासकांठा समेत 3 जिले में पिछले 2 दिनों में 16 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। इससे वाव-थराद और सुईगाम तालुका में बाढ़ आ गई। तीनों तालुकाओं के दर्जनों गांवों में 5 फीट तक पानी भरा हुआ है।

राजस्थान- अगले 7 दिन बारिश का अलर्ट नहीं: राजस्थान में तेज बारिश का दौर थमता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले एक सप्ताह में कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर और उदयपुर संभागों के ज्यादातर हिस्सों से बारिश का असर कम हो जाएगा और केवल छिटपुट हल्की बरसात की संभावना रहेगी।पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधि में तेज गिरावट देखने को मिलेगी। 11 सितम्बर से प्रदेशभर में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है।

हिमाचल प्रदेश- बाढ़-बारिश से 4156 करोड़ की संपत्ति नष्ट: प्रदेश में बाढ़-बारिश से अब तक 4156 करोड़ की सरकारी और निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी है। लैंडस्लाइड की 137 घटनाओं, बाढ़ की 97 और बादल फटने की 45 घटनाओं में जान और माल दोनों का नुकसान हुआ है। आपदा के कारण 1237 घर जमींदोज हो चुके है, जबकि 5317 घरों को आंशिक नुकसान हुआ है।

मेहराज मलिक के पिता बोले- मेरा बेटा निर्दोष,भाजपा का काम केवल लोगों को दबाना

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा से आप के विधायक मेहराज मलिक को जिला कलेक्टर (DC) से अभद्र व्यवहार के आरोप में पब्लिक सेफ्टी एक्टर (PSA) के तहत मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। बुधवार को उनके पिता ने कहा- भाजपा का काम केवल लोगों को दबाना है। जहां-जहां उनकी सत्ता है, वहां नागरिकों को चुप करा दिया जाता है, जम्मू-कश्मीर भी इससे अलग नहीं है। मेरे बेटे मेहराज को बेगुनाह होने के बावजूद निशाना बनाकर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि अब मेरे बेटे की गिरफ्तारी की वैधता का फैसला अब अदालत करेगी। तब तक जम्मू-कश्मीर के लोग शांति बनाए रखें। लोकतांत्रिक तरीकों से अपना विरोध दर्ज कराएं। इधर, डोडा में तनाव की स्थिति को देखते हुए BNSS की धारा 163 लागू की गई है। वहीं, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (ADM) अनिल कुमार ठाकुर ने कहा- अगले आदेश तक धारा 163 लागू रहेगी। दरअसल,आप की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष मलिक को 8 सितंबर को सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने के आरोप में पब्लिक सिक्योरिटी एक्ट (PSA) के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में उन्हें कठुआ जिला जेल में बंद कर दिया गया।

रोहिणी में दिनदहाड़े चाकू से गोदकर रैपिडो चालक की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। केएन काटजू मार्ग के रोहिणी सेक्टर-26 में मंगलवार सुबह सरेराह रैपिडो चालक गाजियाबाद के लोनी स्थित राजीव गार्डन निवासी रज्जब (30) की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। युवक के शरीर पर कई चाकू व चोट के निशान मिले हैं। केएन काटजू मार्ग थाना पुलिस ने हत्या समेत अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया, मंगलवार सुबह 6.15 बजे रोड पर हादसा होने की जानकारी मिली। जांच में युवक के शरीर पर चाकू के कई निशान हैं। पास ही दो बाइक गिरी हुई थी। बाइक के फिसलने के निशान भी मिले।मृतक के पास से मिले दस्तावेज से उसकी पहचान की गई। जिस तरह से युवक की हत्या की गई है, इससे पुलिस को आपसी रंजिश का शक जाहिर हो रहा है। जांच में पता चला है कि वह किसी सवारी को लेकर रोहिणी इलाके में आया था।दूसरी बाइक के मालिक की पहचान में जुटी पुलिस ~पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल के पास से दो बाइक मिली है उनमें से एक बाइक रज्जब के नाम से रजिस्टर है, जबकि दूसरी बाइक के मालिक के बारे में पता नहीं चल पाया है। पुलिस उसके नंबर के जरिए मालिक की पहचान करने में जुटी है।

सरकारी स्कूलों में नॉन-प्लान दाखिले के लिए अब आधार-बैंक खाता अनिवार्य नहीं, शिक्षा निदेशालय का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में नॉन प्लान दाखिले के तहत प्रवेश के लिए आधार कार्ड व बैंक खाता अनिवार्य नहीं है। इसके न होने पर स्कूल दाखिले से इन्कार नहीं कर सकते हैं। शिक्षा निदेशालय को शिकायत मिली थी कि आधार कार्ड और बैंक खाता न होने के कारण छात्रों के दाखिले नहीं हो रहे हैं।

कब हुई थी नॉन प्लान दाखिले की प्रक्रिया पूरी?

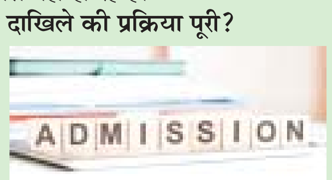

निदेशालय ने स्कूल प्रमुखों को निर्देशित किया है कि नॉन प्लान दाखिले के विभिन्न चरणों के दौरान जिन छात्रों को स्कूल आवंटित किए गए हैं उनके दाखिले की प्रक्रिया 15 सितंबर तक पूरी कर ली जाए। सरकारी स्कूलों में नौवीं से बारहवीं तक नॉन प्लान दाखिले की प्रक्रिया 31 अगस्त को पूरी हुई है। लेकिन कई छात्र, अभिभावक जो आवंटित विद्यालयों में संबंधित दस्तावेज जमा करके अपना प्रवेश सुनिश्चित नहीं कर पाए हैं, वे शिक्षा निदेशालय के कार्यालय में संपर्क कर रहे हैं।

योजनाओं के लिए जरूरी, प्रवेश के लिए नहीं: वहीं शिक्षा निदेशालय के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया है कि कुछ विद्यालय प्रमुख दाखिले के समय छात्रों का आधार या बैंक खाता न दिखाने या पंजीकरण फॉर्म में किसी छोटी सी विसंगति के कारण छात्रों को प्रवेश देने से इन्कार कर रहे हैं।

ऐसे में निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि विभिन्न योजनाओं की राशि के वितरण के लिए आधार और बैंक खाता आवश्यक है, लेकिन ये किसी भी कक्षा में प्रवेश के लिए अनिवार्य नहीं हैं। निदेशालय ने सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे पूर्व-प्राथमिक से लेकर नौवीं व ग्यारहवीं कक्षाओं में छात्रों के प्रवेश के लिए निर्देशों का पालन करें।

सचिवालय और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

दिल्ली, एजेंसी।मुख्यमंत्री सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) को मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। इससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद दिल्ली पुलिस, अग्निशमन विभाग और बम निरोधक दस्ते की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और परिसर में तलाशी और जांच शुरू कर दी।

हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जांच के बाद ई-मेल के जरिए मिली धमकी को झूठा (होक्स) करार दिया गया। परिसर में और उसके आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भेजे गए ईमेल में दावा किया गया था कि आरडीएक्स जैसे विस्फोटक जिनकी एक किलोमीटर तक की धमाके की क्षमता है, इन तीनों स्थानों पर लगाए गए हैं। पहली एमएएमसी में बम धमाके की सूचना मिली थी।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल टीमें (बीडीडीटी) मौके पर भेजी गई और जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे यूसीएमएस (जीटीबी अस्पताल परिसर) से सूचना मिली कि कॉलेज को बम की धमकी वाला ईमेल मिला है। उसके बाद बिना कॉलेज को खाली कराया गया। डॉग स्क्वाड बुलाकर हर कोने की गहन तलाशी ली गई। दोपहर 1.30 बजे इमारत को सुरक्षित घोषित कर दिया गया।

मेल के स्रोत का पता किया जा रहा: साइबर पुलिस की टीम धमकी भरे ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में पिछले झूठे ईमेल धमकियों से समानताएं पाई गई हैं। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि यह मेल संभवत~ किसी दूसरे राज्य के लिए भेजा गया था, लेकिन हम इसे पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और एसओपी का पूरी तरह पालन किया गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने भी पुष्टि की कि एक कॉल के जरिए उन्हें सूचना मिली थी, जिसके बाद कई फायर टेंडर मौके पर एहतियातन भेजे गए। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने एक बयान में कहा कि एमएएमसी और सीएम सचिवालय की पूरी जांच की गई और ईमेल झूठा निकला। धमकी मिलने के बाद उपायुक्त वल्सन ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

पहले मेडिकल कॉलेज को मिली थी धमकी: मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी के कुछ ही पलों के बाद मुख्यमंत्री सचिवालय में भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। ईमेल में दोपहर 3.30 बजे विस्फोट करने की धमकी दी गई है। दिल्ली पुलिस के अनुसार यह ईमेल पहले भेजे गए फर्जी मेल से मिलता-जुलता है।

कोकीन व प्रतिबंधित एम्फेटामाइन के साथ दो विदेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय विहार और पश्चिम जिला मादक पदार्थ निरोधक टीम ने दो नाइजीरियाई युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कोकीन और प्रतिबंधित पदार्थ एम्फेटामाइन बरामद किया है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया डिस्ट्रिक्ट पार्क सेक्टर-एक रोहिणी के पास से नाइजीरियाई नागरिक इजरायल एचेम पकड़ा गया। उसके पास से 10.54 ग्राम कोकीन बरामद हुई। जांच में पता चला कि वह इजरायल एचेम नवादा में किराए पर रहता है। आरोपी का वीजा 2015 में ही समाप्त हो गया था। उसके बाद से वह अवैध रूप से रह रहा था। वह मादक द्रव्य निरोधक अधिनियम के तहत अपराध शाखा के एक मामले में भगोड़ा है।

दिल्ली में बनेगा हाई-मोबिलिटी कॉरिडोर!

सराय काले खां से आईजीआई तक ट्रैफिक होगा सिग्नल फ्री, जानें मेगा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सराय काले खां से एम्स-महिपालपुर तक हाई-मोबिलिटी कॉरिडोर पर लगभग 5000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। केंद्र सरकार की इस योजना पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) डीपीआर तैयार करने में जुटा है। यह कॉरिडोर दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-देहरादून और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहनों को बिना रिंग रोड और मध्य दिल्ली से होकर गुजरे, सीधे दक्षिण दिल्ली और आईजीआई एयरपोर्ट तक पहुंचने का सिग्नल फ्री रास्ता देगा।

नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने चिंता जताई थी। उसमें कहा था कि एम्स से महिपालपुर बाईपास तक बनने वाला 20 किलोमीटर का कॉरिडोर मध्य दिल्ली की भीषण जाम समस्या को पूरी तरह हल नहीं कर पाएगा।

मौजूदा समय दिल्ली-मेरठ और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे सराय काले खां पर रिंग रोड से जुड़ते हैं। साथ ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का डीडीएनडी-जेवर लिंक भी यहीं से शुरू होगा। ऐसे में आने वाले समय में सराय काले खां पर ट्रैफिक का भारी दबाव होगा। इससे निपटने के लिए सराय काले खां से एम्स-महिपालपुर कॉरिडोर तक 5-6 किलोमीटर लंबी टनल या एलिवेटेड कॉरिडोर की व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके विकल्प के तौर पर तालकटोरा स्टेडियम या 11 मूर्ति क्षेत्र से भी कनेक्टिविटी पर विचार किया जा रहा है।

एनसीआर के वाहन सीधे जा सकेंगे एयरपोर्ट: योजना का उद्देश्य है कि एनएच-48 (दिल्ली-गुरुग्राम हाईवे), एमजी रोड और रिंग रोड पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सके। फिलहाल दिल्ली और गुरुग्राम के बीच यातायात का सबसे बड़ा बोझ दिल्ली-गुरुग्राम हाईवे झेल रहा है। नया कॉरिडोर एम्स और आईएनए होते हुए महिपालपुर तक जुड़ेगा और आगे यह मेहरौली-गुरुग्राम रोड से भी जुड़ेगा। इससे गुरुग्राम से गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा जाने वाले वाहनों को सीधा वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा और उन्हें रिंग रोड या आंतरिक सड़कों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सरकार की इस योजना को राजधानी में यातायात प्रबंधन में एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है। यह परियोजना पूरी होने के बाद सराय काले खां, रिंग रोड, आईएनए और दक्षिणी दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा।

अभी कागजों में है योजना: एनएचएआई ने इस परियोजना के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए मई में परामर्श सेवाओं की निविदा निकाली गई थी, इसमें प्रोजेक्ट का दायरा, एलाइन्मेंट, लागत और निर्माण तकनीक पर काम किया जाएगा। अभी यह परियोजना योजना स्तर पर है, लेकिन इसकी दिशा तय होने के बाद अगले चरण में निर्माण की निविदा जारी की जाएगी। दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही इस परियोजना को लेकर गंभीर हैं।

803 करोड़ से दिल्ली की सड़कों का होगा सुधार कार्य: राजधानी की सड़कों में सधार के लिए पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) ने सोमवार को एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि के तहत विभाग 803.39 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक सड़क सुधार, चौड़ीकरण और नए फ्लाईओवर निर्माण कार्य होगा। योजना के तहत दिल्ली के सभी प्रमुख जिलों–मध्य, उत्तर, पूर्व, उत्तर-पूर्व, शाहदरा, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में 140 से अधिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

इसमें सड़कों की मजबूती, रीसर्फेसिंग, नए गलियारों का निर्माण और ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए फ्लाईओवर परियोजनाएं शामिल हैं। उत्तर-पूर्व दिल्ली में कश्मीरी गेट आईएसबीटी से वजीराबाद रोड का अपग्रेडेशन, लोनी चक्कर से दिल्ली सीमा तक की सड़क का सुधार और गोकलपुरी मार्ग पर फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। शाहदरा जिले में अली विहार से लाल कुआं तक सड़क सुधार, विवेक विहारङ्कजीटी रोड कनेक्टर की मजबूती और शाहदरा अस्पताल रोड का विकास योजना में शामिल है। पूर्वी दिल्ली में विकास मार्ग (आईटीओ से डी-93 तक) का पुनर्वास, एमपी रोड नं. 108 और कोंडली ब्रिज कॉरिडोर का कोल्ड मिलिंग व रीसाइक्लिंग और नोएडा लिंक रोड का चौड़ीकरण किया जाएगा।

डूसू चुनाव के लिए नामांकन का आज अंतिम दिन, 18 सितंबर को होगी वोटिंग; तीसरे वर्ष के छात्र भी लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए बुधवार नामांकन करने का अंतिम दिन है। उम्मीदवार दोपहर तीन बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी।

उम्मीदवार 11 सितंबर दोपहर 12 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। मंगलवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (आइसा) व स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के संयुक्त पैनल ने अपने प्रत्याशियों के पर्चे दाखिल करवा दिए। बता दें कि डूसू चुनाव 18 सितंबर को होना है।

छात्र संगठनों की तैयारी: भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जैसे प्रमुख छात्र संगठनों ने बुधवार को ही अपने उम्मीदवारों का नामांकन कराने की रणनीति तैयार की है। एनएसयूआई जहां 10-11 उम्मीदवारों के नामांकन कराएगी, वहीं एबीवीपी ने आठ से नौ उम्मीदवारों के नामांकन कराने का फैसला किया है।

नामांकन पत्र के साथ 500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट लगाना जरूरी: छात्र संगठन पैनल की घोषणा नाम वापसी वाले दिन ही करेंगे। डीयू प्रशासन ने एक अधिसूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि नामांकन पत्र के साथ 500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट समेत अन्य दस्तावेज लगाना जरूरी है। छात्र यह हलफनामा इसलिए देंगे कि अगर वे जमानत के उल्लंघन में शामिल होते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जा सके। डीयू प्रशासन ने आखिरी दिन होने के चलते नामांकन प्रक्रिया के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। किसी तरीके के हुड़दंग से बचने के लिए पुलिस और डीयू सुरक्षाकर्मियों तैनात रहेंगे। बुधवार को ही 3.15 बजे तक फॉर्म की छंटनी की जाएगी।

जिसके बाद शाम 6~00 बजे तक उम्मीदवारों के नामों की सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद 11 सितंबर 12 बजे तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकते हैं। नाम वापस लिए जाने के बाद 11 सितंबर को शाम पांच बजे तक उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट जारी की जाएगी।

अब तीसरे वर्ष के छात्र भी उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर लड़ेंगे चुनाव: नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2025 इस बार ऐतिहासिक होने जा रहा है। इस साल उपाध्यक्ष व संयुक्त सचिव पद पर तीसरे वर्ष के छात्र भी चुनाव लड़ सकेंगे। दरअसल ऐसा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम लागू होने के कारण संभव हुआ।

गलत कदम उठाने से पहले उनके बारे में सोचिए जो आपके बिना जी नहीं पाएंगे, ध्यान दें

दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी अनमोल है और बड़ी मुश्किल से मिलती है। सोचिए, आपको इस दुनिया में लाने के लिए आपकी मां ने असहनीय प्रसव पीड़ा सही और आपका चेहरा देखते ही वह अपना दर्द भूल गई। इसलिए जब भी मन में नकारात्मक या खुदकुशी का ख्याल आए, उन लोगों को याद कीजिए जिन्हें आपके न रहने से गहरा फर्क पड़ेगा।

वहीं दूसरे मामले में पश्चिम जिला मादक पदार्थ निरोधक टीम ने नाइजीरियाई निवासी एरिक को टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया उसके पास से 54 ग्राम प्रतिबंधित पदार्थ एम्फेटामाइन बरामद किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़ों का हवाला देते हुए मनोचिकित्सक डॉ. ओम प्रकाश बताते हैं कि देश में सुसाइड के सबसे सामान्य कारण पारिवारिक समस्याएं, वैवाहिक तनाव, नशे की लत, मानसिक रोग, बेरोजगारी और परीक्षा में असफलता हैं। चार वर्ष का स्नातक प्रोग्राम होने के कारण

अब तीसरे साल के छात्र अंतिम वर्ष के नहीं माने जाएंगे। इस संबंध में डूसू चुनाव समिति की और से अधिसूचना जारी कर दी गई है। अध्यक्ष व सचिव पद के लिए किसी भी वर्ष का छात्र चुनाव लड़ सकता है।

अन्य कारणों में सामाजिक बहिष्कार, सम्मान की हानि, घरेलू हिंसा, वित्तीय तनाव और साइबर उत्पीड़न भी शामिल हैं।आंकड़ों के अनुसार, खुदकुशी करने वालों में 15 से 39 वर्ष की आयु के छात्र, गृहणियां और बेरोजगार युवा सबसे अधिक हैं। अकेले दिल्ली में वर्ष 2022 में 3,417 सुसाइड दर्ज हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि खुदकुशी का विचार अचानक नहीं आता, बल्कि यह मानसिक बीमारियों जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिसऑर्डर और स्किजोफ्रेनिया की स्थिति में गहराता है। मनोचिकित्सकों की सलाह है कि यदि कोई व्यक्ति असामान्य रूप से नकारात्मक सोचने लगे, जीवन से निराश दिखे या अलग-थलग पड़ जाए, तो परिवार व मित्र तुरंत उसका विशेष ध्यान रखें और डॉक्टर से परामर्श कराएं। शुरुआती स्तर पर मदद और भावनात्मक सहयोग कई जिंदगियां बचा सकता है।

मानसिक तनाव के लिए हेल्पलाइन है उपलब्ध: वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने टेलीमानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबर 14416 और 18008914416 शुरू की। यह सेवा 24×7 टोल फ्री उपलब्ध है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्रशिक्षित परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों द्वारा सहायता प्रदान करती है। अब तक 30 लाख से अधिक कॉल प्राप्त कर चुकी है। मां आनंदमई मार्ग से क्राउन प्लाजा और गोविंदपुरी होते हुए वाहन चालक आगे बढ़ेंगे। मोदी मिल फ्लाईओवर की ओर दाएं मुड़कर अंत में आश्रम की ओर मथुरा रोड तक पहुंचने के लिए बाएं मुड़ना होगा।

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ पर निचली अदालत के फैसलों के खिलाफ की अपील

सुप्रीम कोर्ट शीघ्र सुनवाई को तैयार

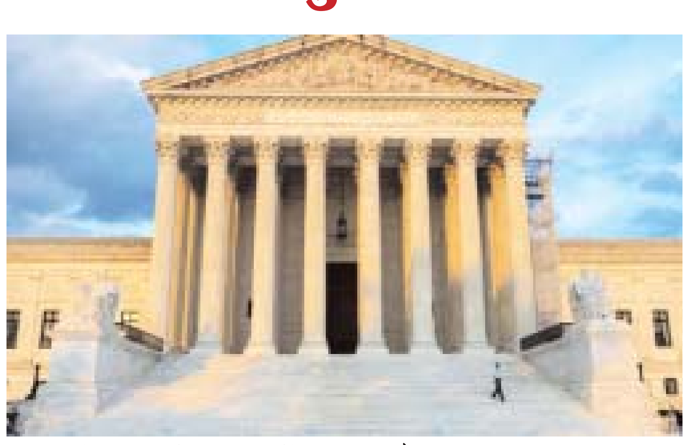

वाशिंगटन (अमेरिका), एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ पर निचली अदालत के फैसलों के खिलाफ देश के उच्चतम न्यायालय में अपील की है। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को ट्रंप प्रशासन के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। निचली अदालत के फैसलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के कई व्यापक टैरिफ को अवैध बताया गया है।

सीएनबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि वह नवंबर के पहले सप्ताह में मौखिक दलीलें सुनेगी। उसने इस सत्र के लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया। अदालत ने दो अलग-अलग मामलों को एक साथ रखा। पहला मामले का वादी सात छोटे व्यवसाय करता है। दूसरा मामला 12 राज्यों की अपीलों से जुड़ा है। इन पर निचली अदालत का फैसला आ चुका है। ट्रंप प्रशासन ने इनमें से एक मामले में शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर न्यायालय अगले साल जून तक निचली अदालत के न्यायाधीशों के साथ सहमति जताते हुए यह फैसला सुनाता है कि ये शुल्क अवैध हैं, तो ट्रेजरी विभाग को एकत्रित शुल्कों में से 750 अरब डॉलर से 1 ट्रिलियन डॉलर तक वापस करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय की अपील में दांव पर पारस्परिक शुल्क हैं, जिनकी घोषणा ट्रंप ने दो अप्रैल को की थी।

ये शुल्क कई देशों के आयात पर 10 प्रतिशत की आधार रेखा से लेकर ब्राज़ील और भारत से आयात पर 50 फीसद तक हैं। कनाडा, चीन और मेक्सिको से कुछ आयातों पर 25 फीसद टैरिफ लगने का भी खतरा है। ट्रंप ने कहा है कि ये शुल्क उन देशों को अमेरिका में घातक दवा फेंटेनाइल के प्रवाह को बर्दाश्त करने के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए लगाए गए हैं।

अमेरिकी संघीय सर्किट अपील न्यायालय ने 29 अगस्त को 7-4 के बहुमत से दिए अपने फैसले में कहा था कि ट्रंप ने इस साल की शुरुआत में कई देशों से आयात पर भारी शुल्क लगाकर टैरिफ लगाने के कांग्रेस के अधिकार का अतिक्रमण किया। ट्रंप ने ये शुल्क लगाते समय अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला दिया। अपील न्यायालय ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के एक फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान आयात को विनियमित करने का राष्ट्रपति का अधिकार बिना समाप्ति तिथि वाले विश्वव्यापी शुल्क लगाने का अधिकार नहीं देता।

ट्रंप प्रशासन ने दवा कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी शिकंजा कसा

वाशिंगटन (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका में पहली बार ट्रंप प्रशासन ने दवा कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी शिकंजा कसा है। अमेरिका दुनिया भर के उन दो देशों में से एक है जो सीधे उपभोक्ता तक पहुंचने वाली दवाओं के विज्ञापनों की अनुमति देता है। दूसरा देश न्यूज़ीलैंड है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके माध्यम से दवा कंपनियों पर विज्ञापनों में पारदर्शिता कानूनों का पालन करने का दबाव डाला गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन इन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 100 चेतावनी पत्र भेजेगा। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारियों ने मंगलवार सुबह पत्रकारों कहा कि लक्ष्य पहले से मौजूद कानूनों का इस्तेमाल करके यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को दवाओं, खासकर संभावित जोखिम कारकों के बारे में पारदर्शी और सटीक जानकारी मिले। अधिकारियों ने उन दवाओं या उत्पादों की ओर इशारा किया जिनका प्रचार इंस्टाग्राम या टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया साइटों पर होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर दवाओं के प्रचार पर किए गए कई अध्ययनों में पाया गया है कि अकसर दी जाने वाली जानकारी डॉक्टर से बात करने पर मिलने वाली जानकारी से कमतर होती है। 2015 के एक अध्ययन में पाया गया कि केवल एक तिहाई पोस्ट में ही दवाओं के संभावित नुकसानों का जिक्र था। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा, भ्रामक प्रभाव पैदा करने वाले इन विज्ञापनों के बढ़ते प्रचलन, खासकर दुष्प्रभावों का उचित रूप से खुलासा न करने से व्यापक निराशा हुई है। ये विज्ञापन अब बिना उचित जानकारी के सोशल मीडिया पर छा गए हैं और ऑनलाइन फ़ार्मेसियों के विज्ञापन भी उन्हीं नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं जिनका पालन कई दवा कंपनियां करती हैं।

रूस पर निर्भर हंगरी ने शेल से 10 साल का गैस समझौता किया

पश्चिमी साझेदार के साथ अब तक का सबसे बड़ा सौदा, लेकिन रूसी आपूर्ति बनी रहेगी मुय आधार

बुडापेस्ट, एजेंसी। रूस से ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर हंगरी ने ब्रिटेन की ऊर्जा कंपनी शेल के साथ 10 साल का नया गैस आपूर्ति समझौता किया है। हालांकि हंगरी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कदम रूस से दूरी बनाने या रूसी गैस पर निर्भरता कम करने के लिए नहीं है।

हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने मिलान में एक गैस सम्मेलन के दौरान बताया कि यह अब तक का पश्चिमी साझेदार के साथ सबसे लंबी अवधि और सबसे बड़ी मात्रा का अनुबंध है। इस समझौते के तहत 2026 से शुरू होकर 10 वर्षों तक हंगरी को कुल दो अरब घनमीटर गैस की आपूर्ति होगी।

इससे पहले, 2021 से 2027 तक सालाना 250 मिलियन घनमीटर गैस आपूर्ति का अनुबंध पहले से ही शेल के साथ था। सिज्जार्टो ने कहा कि यह नई आपूर्ति रूस से आयातित गैस की जगह नहीं लेगी। उनके अनुसार, हमारे लिए डाइवर्सिफिकेशन का मतलब मौजूदा स्रोतों और मार्गों को छोड़ना नहीं है, बल्कि नए स्रोत और मार्ग जोड़ना है। हंगरी ने रूस की गैजप्रोम कंपनी के साथ 15 साल का समझौता पहले ही किया हुआ है, जिसके तहत सालाना 4.5 अरब घनमीटर गैस की आपूर्ति 2036 तक सुनिश्चित है। हाल के वर्षों में इस अनुबंध को अतिरिक्त आपूर्ति समझौतों से भी पूरक किया गया है। हंगरी की अधिकतर गैस आपूर्ति रूस से टर्कस्ट्रीम पाइपलाइन और उसकी बाल्कन स्ट्रीम विस्तार परियोजना के जरिये बुल्गारिया और सर्बिया से होकर आती है। यही कारण है कि हंगरी यूरोपीय संघ की उस योजना का लगातार विरोध करता रहा है, जिसमें रूसी जीवाश्म ईंधन आयात को पूरी तरह समाप्त करने का प्रस्ताव रखा गया था।

नेशनल लोक अदालत 13 को, प्रधान जिला न्यायाधीश ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर सीधी एवं तहसील मुख्यालय चुरहट, मझौली तथा रामपुर नैकिन में 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रधान जिला न्यायाधीश दिनकर ने नेशनल लोक अदालत के समुचित प्रचार-प्रसार हेतु आज 10 सितम्बर को जिला न्यायालय सीधी से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार रथ आगामी नेशनल लोक अदालत तिथि, महत्व एवं लाभों के संबंध में जनसामान्य को जागरूक करेगा।

इस अवसर पर जिला न्यायालय सीधी में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उर्मिला यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे, प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनीता रावत, न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट मृदुल लटौरिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक साहू तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सहित विद्युत एवं नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रचार रथ के शुभारंभ के पश्चात न्यायाधीशगण की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 13 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निराकरण पर विशेष बल दिया गया। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे आम जनता को लोक अदालत की कार्यवाही के प्रति प्रेरित करें, ताकि अधिकाधिक पक्षकार आपसी सहमति से अपने प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करा सकें। इसके साथ ही नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैंक विद्युत, बीएसएनएल, नगर निगम, बीमा कंपनियों के अधिकारियों व अधिवक्ताओं के साथ भी निरंतर प्री सिटिंग बैठक की जा रही है। लोक अदालत में वादों का निपटारा न केवल समयबद्ध व सरल तरीके से होता है बल्कि पक्षकारों को राहत भी मिलती है। इससे न्याय तक पहुंच का मार्ग और अधिक सुगम होता है।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, पाँच किलो वाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी।

धर्मांतरण का आरोप, ओडिशा के 5 लोग गिरफ्तार, पैसे का लालच दे रहे थे; बाइबिल, भजन संहिता और धार्मिक सामग्री जब्त

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के नवानगर इलाके में धर्मांतरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में ओडिशा से आए लोग गरीब बस्तियों में रहने वालों को पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे।

संयुक्त मानव अधिकार संगठन और भाजपा नेताओं की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। संगठन के अध्यक्ष आलोक कुमार शुक्ला के अनुसार, मंगलवार रात निगाही मोड काली मंदिर के पास एक हॉल में 100 से अधिक महिला-पुरुष जमा थे। वहां ओडिशा से आए लोग ईसाई धर्म अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे थे।

नवानगर थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी ने बताया कि मौके से आपत्तिजनक ग्रंथ और अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने नाथन नायक, मीणा नायक, अर्पित नायक, पिंकी सोनवानी और नंदन शाह को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ जारी है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में धर्मांतरण के मामले सामने आ चुके हैं। कुछ महीने पहले माडा थाना क्षेत्र में भी इसी तरह का एक मामला पकड़ा गया था।

सतपुड़ा आईटीआई में सोलर पैनल जामनगर गुजरात के कैंपस का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतपुड़ा आईटीआई रीवा में 08 सितंबर को सोलर पैनल जामनगर गुजरात के कैंपस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 430 छात्रों ने भाग लिया, जो अपने करियर के लिए नए अवसरों की तलाश में थे।

कंपनी के अधिकारियों ने इस कैंपस ड्राइव में छात्रों के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार का आयोजन किया। छात्रों ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया, और इस प्रक्रिया के बाद, 96 छात्रों का चयन जॉब के लिए किया गया। यह चयन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो उन्हें अपने भविष्य को संवारने में मदद करेगा।

सतपुड़ा आईटीआई रीवा और सतपुड़ा ग्रुप की ओर से सभी चयनित छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। संस्था ने कहा कि वे छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं और उन्हें इस सफलता के लिए बधाई देती हैं।

इस कैंपस ड्राइव ने छात्रों को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान किए, बल्कि उन्हें अपने कौशल को विकसित करने और अपने सपनों को साकार करने का एक मंच भी दिया।

पीडब्ल्यूडी दफ्तर की दीवारें गुटखा-थूक से हुईं लाल, सरकारी दफ्तर में स्वच्छता के दावों पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर का लोक निर्माण विभाग का दफ्तर इन दिनों गुटखा और तंबाकू के थूक से बदहाल है। दफ्तर की जो दीवारें कभी सफेद हुआ करती थीं, वे अब गुटखे के लाल-लाल दागों से रंगी हुई हैं। यह स्थिति ना सिर्फ विभाग की स्वच्छता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही को भी उजागर करती है।

बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे दफ्तर का जायजा लेने पर हैरान कर देने वाला दृश्य सामने आया। ग्राउंड फ्लोर से लेकर ऊपर की मंजिलों तक जाने वाली सीढ़ियों पर गुटखे के थूक के निशान फैले हुए थे। दफ्तर के सेंट्रल हॉल से लेकर सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर के कैबिन तक जाने वाले रास्ते की दीवारें भी लाल दागों से भरी पड़ी थीं। दफ्तर के अंदर की बदबू और गंदगी यह साफ बताती है कि यहां गुटखा-तंबाकू खाने पर कोई रोक-टोक नहीं है।

जब इस बारे में एग्ज़ेक्युटिव इंजीनियर एमके पराते से सवाल किया गया तो उन्होंने कैमरे के सामने आने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, लोग आते-जाते समय सीढ़ियों पर गुटखा और तंबाकू थूक देते हैं। हम सफाई तो कराते रहते हैं, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं होता।

इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब पीडब्ल्यूडी विभाग अपने खुद के दफ्तर को साफ-सुथरा नहीं रख पा रहा है तो वह सड़कों और अन्य सार्वजनिक इमारतों की देखरेख और स्वच्छता को लेकर कितना गंभीर होगा। यह स्थिति सरकारी दफ्तरों में अनुशासन और स्वच्छता के दावों की पोल खोलती है।

स्वसहायता समूह से जुड़कर प्रेमवती बनी आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली विकासखंड के ग्राम सरैहा निवासी प्रेमवती कुशवाहा ने स्वसहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। जय मां शारदे स्वसहायता समूह से उन्हें सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) एवं शाख सीमा (सीसीएल) के माध्यम से कुल 1 लाख 90 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने जनपद पंचायत मझौली कार्यालय के सामने ष्शिवानी बेल्डिंग मशीनष् नाम से दुकान स्थापित की, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत खिड़की, दरवाजे एवं गेट बनाने का कार्य मिला। वर्तमान में वे प्रतिमाह लगभग 20 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। अपनी मेहनत की कमाई से उन्होंने पति के लिए मोटरसाइकिल खरीदी और पक्का मकान भी बनवाया।

विस्थापितों को मिलेगा पांच गुना मुआवजा, जमीन का मुआवजा 10 लाख से बढ़कर 50 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर किया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बंधा कॉल ब्लॉक से प्रभावित विस्थापितों को राहत मिली है। देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम ने जनसुनवाई के दौरान घोषणा की कि प्रदेश सरकार अब विस्थापितों को प्रति हेक्टेयर 50 लाख रुपए मुआवजा देगी। यह राशि पहले 10 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर थी। बंधा कॉल ब्लॉक के बंधा, पैडरवाह, पचौर समेत छह गांवों के प्रभावित लोगों को इसका लाभ मिलेगा। विधायक मेश्राम ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों और विस्थापितों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि विस्थापन नीति का पूरी तरह पालन कराया जाएगा।

जनसुनवाई में एसडीएम, तहसीलदार सहित जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। हजारों की संख्या में ग्रामीण भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। लोगों ने इस घोषणा का स्वागत किया। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि विस्थापितों को यह बढ़ा हुआ मुआवजा कब तक मिलेगा।

प्रदेश सरकार ने नियम संशोधन किए: देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम ने बताया कि यह घोषणा मध्य प्रदेश में बीजेपी सरकार ने पहले से कर रखी थी कि किसानों को फायदा देना है। लेकिन बीच में जब कमलनाथ की सरकार आई तो उन्होंने नियमों में संशोधन करके 20% की राशि की कटौती कर दी थी। बांध कॉल ब्लॉक को लेकर के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नियमों में संशोधन कर दिया है और अब किसानों को जिनकी भी भूमियों का अधिग्रहण होना है। उन्हें 50 लख रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया जाएगा। मैं इस बात का मंच से ऐलान किया है।

अवैध क्लीनिक और मेडिकल स्टोर पर पड़ा छापा, स्वास्थ्य विभाग ने सील की तीन क्लीनिक; कई दुकानों से मिली एक्सपायरी दवाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली में बुधवार को स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर और क्लीनिकों पर छापामारी कर कई दुकानों को सील किया गया। यह कार्रवाई झोलाछाप डॉक्टरों की शिकायतों के आधार पर की गई। मझौली जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित है।

संजीवनी नर्सिंग होम सील, क्लीनिक बंद: टीम ने संजीवनी मिनी नर्सिंग होम को सील कर दिया। इसके अलावा उमरिया गांव में दो झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिक बंद कराई गईं। राघव मेडिकल स्टोर सहित कई दुकानों से एक्सपायरी दवाएं जब्त की गईं।

बीएमओ बोले- कार्रवाई जारी रहेगी: मझौली के बीएमओ डॉ. संदीप शुक्ला ने बताया कि अब तक तीन झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिक सील की जा चुकी हैं। कई मेडिकल स्टोरों में भी अनियमितताएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित इलाज सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। नियमों के उल्लंघन पर किसी को छूट नहीं दी जाएगी।

ग्रामीणों ने किया स्वागत: स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कदम से अवैध दवा विक्रेताओं और झोलाछाप डॉक्टरों पर अंकुश लगेगा। इससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने की उम्मीद है।

सचिव ने की टीआई को रिश्वत की पेशकश, टीआई बोले- जिपं सीईओ को भेजूंगा ऑडियो; सचिव ने कहा, मेरी आवाज नहीं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में रेत के अवैध कारोबार का एक नया मामला सामने आया है। सीधी थाना पुलिस ने ओदारी नदी से अवैध रेत परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह ट्रैक्टर कुदरी के ग्राम पंचायत सचिव हेमराज कहार के बेटे का निकला। थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की। ट्रैक्टर जब्त होने के बाद सचिव हेमराज ने थाना प्रभारी को फोन किया। उन्होंने कहा कि उनका बेटे गांव में काम के लिए रेत लेने आया था। साथ ही उन्होंने ट्रैक्टर छोड़ने के एवज में पैसों की पेशकश भी की।

वरिष्ठ अधिकारियों कार्रवाई के लिए भेजेंगे ऑडियो: थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने सचिव की इस बात का विरोध किया। उन्होंने सचिव को बताया कि उनकी बातचीत रिकॉर्ड की गई है। टीआई ने कहा कि जब ग्राम पंचायत के सचिव जैसे जिम्मेदार व्यक्ति ही ऐसा करेंगे तो भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा। वह यह ऑडियो रिकॉर्डिंग अपने वरिष्ठ अधिकारियों और पंचायत विभाग को भेजेंगे। इस मामले में सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद ने कहा कि अभी घटना को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

सचिव बोले- मेरी आवाज नहीं: सचिव हेमराज ने कहा कि जो ऑडियो सामने आया है उसमें मेरी आवाज नहीं है। मुझे नहीं पता थाना प्रभारी की किस्से बात हो रही है। पीएम आवास के लिए बेटा रेत ला रहा था ट्रैक्टर पत्नी के नाम है। अभी पुलिस ने सिर्फ चालक के नाम प्रकरण दर्ज किया है। मुझे जनपद और जिला पंचायत से कोई फोन नहीं आया है।

36वें शिविर में 75 मरीजों की नि:शुल्क नेत्र जांच, 13 को चित्रकूट भेजा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के हनुमानगढ़ में 36वां निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर 10 सितंबर को संपन्न हुआ। यह शिविर न्यायाधीश ऋषि तिवारी की स्मृति में किया गया। इसमें 75 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जरूरतमंद मरीजों को तत्काल निःशुल्क आई ड्रॉप्स दी गईं। पिछले माह मोतियाबिंद ऑपरेशन कराने वाले मरीजों का फॉलोअप चेकअप किया गया। इन मरीजों को निःशुल्क चश्मे भी दिए गए।

शिविर में आए 13 मरीजों को मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया। तीन वर्षों से लगातार चल रहे इन शिविरों से सैकड़ों मरीज लाभान्वित हो चुके हैं।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

राजस्व विभाग के मूल कार्यों को प्राथमिकता दें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में राजस्व न्यायालयवार लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, गिरदावरी तथा फार्मर रजिस्ट्री जैसे प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। 6 माह से अधिक समय से लंबित मामलों के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने न्यायालयों में निर्धारित दिनों पर नियमित सुनवाई करें तथा जिन प्रकरणों की पेशी तय नहीं है, उन्हें भी त्वरित रूप से पेशी पर रखा जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रकरणों के निराकरण में समय-सीमा का पालन अनिवार्य है। आवेदन एवं प्रतिवेदन केवल विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप में ही लिए जाएं।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का अभियान चलाकर निराकरण किया जाए। हितग्राहीमूलक योजनाओं से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, एसडीएम सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आर.पी. त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

ओवरलोड ऑटो से हटाई गई एक्स्ट्रा सीट, 53 ऑटो चालकों पर हुई कार्रवाई; 35 हजार जुर्माना वसूला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया है। तीन दिनों के इस अभियान में पुलिस ने स्कूल बस और ऑटो पर विशेष ध्यान दिया है। माजन मोड़ इलाके में आज 20 ऐसे ऑटो पकड़े गए, जिन्होंने एक्स्ट्रा सीट लगाकर ओवरलोड सवारियां बिठाई थीं।

इन ऑटो की अतिरिक्त सीटें बिल्डिंग मशीन से काटकर हटा दी गईं। अब तक कुल 53 ऑटो पर कार्रवाई की गई है और लगभग 35,000 रुपए का जुर्माना वसूला गया है। यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि यह अभियान 22 तारीख तक जारी रहेगा।

पहले दो दिन लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई लेकिन नियमों की अवहेलना जारी रहने पर सख्त कार्रवाई की गई। कई ऑटो चालकों ने ड्राइवर सीट को लंबा कर दो अतिरिक्त सवारी बैठाने का जुगाड़ किया था। कुछ ने ऑटो के पिछले हिस्से में भी अतिरिक्त सीट लगा रखी थी।

नियमानुसार, ऑटो में ड्राइवर सहित केवल चार लोग ही बैठ सकते हैं। लेकिन शहर में चलने वाले ऑटो 10 से अधिक सवारियां बिठा कर चल रहे थे। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि दुर्घटनाओं से बचने के लिए ओवरलोड ऑटो या बस में सफर न करें।

आधार पर आदेश, बिहार में एसआइआर पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

देश के किसी भी चुनाव में केवल वही मतदान करने के अधिकारी हो सकते हैं जो भारत के नागरिक हों। जो भारत के नागरिक नहीं और किसी तरह मतदाता बन बैठे हैं वे भारतीय लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ ही कर रहे हैं। उचित यह होगा कि भारत सरकार राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर तैयार करने की दिशा में आगे बढ़े।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस सुझाव को आदेश में बदल दिया कि चुनाव आयोग आधार को मान्यता दे। इस फैसले से बिहार के उन लोगों को राहत मिलेगी, जिनके पास चुनाव आयोग की ओर से मांगे गए 11 दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं हैं, लेकिन आधार है। चुनाव आयोग इस कारण आधार को मान्य नहीं कर रहा था कि उसे गलत तरीके से बनवाया गया हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह अवश्य स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग को नकली आधार जांचने का अधिकार होगा, लेकिन इसके बावजूद इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बड़ी संख्या में आधार गलत तरीके से बनवा लिए जाते हैं।

संपादकीय

इसका अर्थ है कि जिन लोगों ने गलत तरीके से आधार हासिल कर लिया है, उन्हें मतदाता बनने से नहीं रोका जा सकता। यह कोई अच्छी स्थिति नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं, जब चुनाव आयोग बिहार के बाद पूरे देश में मतदाता सूचियों के सत्यापन की तैयारी कर रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपने देश में सभी भारतीय नागरिकों को उनकी नागरिकता साबित करने वाले प्रमाण पत्र नहीं दिए जा सके हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केवल जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट को ही नागरिकता का प्रमाण माना है। यह सही भी है, लेकिन अपने देश में अनेक लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं और पासपोर्ट तो बहुत कम लोग बनवाते हैं। यह भी ध्यान रहे कि आधार एवं अन्य प्रमाण पत्रों की तरह जन्म प्रमाण पत्र भी नकली बनवाए जा सकते हैं। अच्छा यह होगा कि भारत सरकार के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट भी इस पर विचार करे कि ऐसा कोई प्रमाण पत्र देश के लोगों को कैसे दिया जाए, जो उन्हें भारत का नागरिक साबित करे।

ऐसा किया जाना अनिवार्य है, क्योंकि घुसपैठ एक गंभीर समस्या है। जब चुनाव आयोग को यह संदेह है कि बिहार में बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के लोग मतदाता बन बैठे हैं तो फिर सीमावर्ती राज्यों में तो इससे इन्कार ही नहीं किया जा सकता। पूर्वोत्तर के राज्यों और पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए तमाम लोग नकली प्रमाण पत्रों के सहारे मतदाता बन बैठे हैं।

इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि कहीं-कहीं वे चुनाव नतीजे प्रभावित करने में सक्षम हैं। ऐसे लोगों को कुछ दल अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए संरक्षण भी देते हैं। देश के किसी भी चुनाव में केवल वही मतदान करने के अधिकारी हो सकते हैं, जो भारत के नागरिक हों। जो भारत के नागरिक नहीं और किसी तरह मतदाता बन बैठे हैं, वे भारतीय लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ ही कर रहे हैं।

जब तीन दोस्तों ने मिलकर बना लिया अपना अलग देश!.. अटलांटियम साम्राज्य' की अनोखी कहानी

खुशबू सिंह

कल्पना कीजिए, आप और आपके दो दोस्त मिलकर अपने घर के आंगन में एक नया देश रच देते हैं। अपना झंडा, अपनी मुद्रा, अपना राष्ट्रगान और यहां तक कि अपना सम्राट भी! ये कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 44 साल पहले घटी एक वास्तविक घटना है। तीन युवा दोस्तों ने साहसिक प्रयोग के तहत 'अटलांटियम साम्राज्य' की नींव रखी, जो आज दुनियाभर में माइक्रोनेशनों के सबसे चर्चित उदाहरणों में से एक है। आइए इस रोचक सफर की पड़ताल करें, जहां सपने और वास्तविकता की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं।

शुरुआत – एक छोटी-सी लकीर से बड़ा सपना

1981 में सिडनी के रहने वाले जॉर्ज क्रूइकशैंक और उनके दो साथियों ने कुछ अलग करने की ठानी। उन्होंने अपने घर के पीछे महज 10 वर्ग मीटर की जमीन पर एक काल्पनिक सीमारेखा खींची और घोषणा कर दी कि यहां से शुरू होता है हमारा अपना देश! क्रूइकशैंक ने खुद को सम्राट घोषित किया और इस नए 'साम्राज्य' का नाम रखा अटलांटियम। बीबीसी की एक रिपोर्ट में इसकी जड़ें बताई गई हैं, जहां ये दोस्त राजनीति, इतिहास और स्वतंत्रता के विचारों से प्रेरित थे। शुरू में ये मजाक जैसा लगा, लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से लिया। अपना झंडा डिजाइन किया, मुद्रा छापी, डाक टिकट जारी किए और एक भावपूर्ण राष्ट्रगान भी रचा।

ये सिर्फ खेल नहीं था; ये एक वैचारिक प्रयोग था। क्रूइकशैंक का मानना था कि देश बनाने के लिए बड़े क्षेत्र या सेनाओं की जरूरत नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति और रचनात्मकता काफी है। क्या आप जानते हैं दुनिया में ऐसे सैकड़ों माइक्रोनेशन हैं, जो खुद को संप्रभु मानते हैं, लेकिन वैश्विक मानचित्र पर कहीं नजर नहीं आते।

राजधानी से पिरामिड तक–समय के साथ अटलांटियम ने पंख फैलाए। 2008 में, क्रूइकशैंक ने सिडनी से 350 किलोमीटर दूर 80 हेक्टेयर जमीन खरीदी और इसे अपनी राजधानी 'ऑरोरा' घोषित कर दिया। अब ये छोटा-सा साम्राज्य एक जीवंत जगह बन चुका है। यहां एक सरकारी आवास है, जहां 'सम्राट' अपने सप्ताहांत बिताते हैं। एक छोटा डाकघर है, जहां से टिकट और कार्ड जारी होते हैं और सबसे आकर्षक 13 फीट ऊंचा एक पिरामिड, जो कैपिटलाइन स्तंभ के सामने खड़ा है, मानो प्राचीन सभ्यताओं की याद दिलाता हो।

क्रूइकशैंक आज भी सक्रिय हैं। वे कॉनकॉर्डिया प्रांत में रहकर नीतियां बनाते हैं, दुनिया के अन्य माइक्रोनेशनों के 'नेताओं' से पत्र व्यवहार करते हैं। दिलचस्प बात ये है कि अटलांटियम की आबादी अब 3,000 से ज्यादा है और ये नागरिक 100 से अधिक देशों से आते हैं। लेकिन ज्यादातर ने कभी इस 'देश' की मिट्टी नहीं छुई! नागरिकता ऑनलाइन फॉर्म भरकर मिलती है और ये एक वैश्विक समुदाय की तरह काम करता है। विचारों का आदान-प्रदान, सांस्कृतिक जुड़ाव और हल्की-फुल्की राजनीति।

क्या है माइक्रोनेशन की हकीकत–अब सवाल यह है कि क्या अटलांटियम सचमुच एक देश है क्रूइकशैंक का दावा है कि ये 1933 के मोंटेवीडियो सम्मेलन के सभी मानकों पर खरा उतरता है÷ स्थायी जनसंख्या, निश्चित क्षेत्रफल, अपनी सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संबंध। लेकिन सच्चाई ये है कि कोई भी देश या अंतरराष्ट्रीय संगठन इसे मान्यता नहीं देता। सिडनी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ हैरी हॉब्स कहते हैं, 'माइक्रोनेशन खुद को देश कह सकते हैं, लेकिन बिना बाहरी मान्यता के ये सिर्फ एक कल्पना रह जाती है।' माइक्रोनेशनों की दुनिया बड़ी विचित्र है। ये वे जगहें हैं, जहां लोग अपनी स्वतंत्रता घोषित कर देते हैं, लेकिन कानूनी तौर पर उनके पास कोई संप्रभु अधिकार नहीं होता। कुछ राजनीतिक असंतोष से जन्म लेते हैं, कुछ मजाक में और कुछ गंभीर सामाजिक प्रयोग के रूप में। उदाहरण के लिए अटलांटियम जैसे राष्ट्र पर्यावरण, शांति या वैश्विक नागरिकता जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सपनों की कोई सीमा नहीं–अटलांटियम की कहानी हमें याद दिलाती है कि मानव कल्पना की कोई सीमा नहीं। तीन दोस्तों का ये छोटा सा प्रयोग आज हजारों लोगों को प्रेरित कर रहा है। अगर आप भी कुछ हटकर सोचते हैं तो शायद आपका अपना 'साम्राज्य' इंतजार कर रहा हो! लेकिन याद रखें, असली दुनिया में सीमाएं और कानून अपनी जगह कायम रहते हैं तो क्या आप ऐसे किसी माइक्रोनेशन में शामिल होना चाहेंगे

> **देश में हो रही लव जिहाद की घटनाओं ने हिला रख दिया। जिहादी हर रोज नए-नए पैतरों से अपनी सारी क्षमता का प्रयोग करते हुए हर रोज सैकड़ों लड़कियों को शिकार बना रहे हैं। केरल जैसे राज्य में तो सारी हदें जब पार हो गई तब जुलाई के महीने में कोर्ट मैरिज के पचास आवेदन आए और सारे के सारे आवेदन में सभी लड़के मुस्लिम थे और लड़कियां हिंदू। हर रोज राज्य स्तर पर धर्मांतरण विरोधी कानून भी बन रहे हैं लेकिन बावजूद इसके इसमें कोई कमी नहीं आ रही। बीते दिनों राजस्थान सरकार ने अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए और कठोर प्रावधानों के साथ नया विधेयक लाने का फैसला किया है। इसके तहत 'राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025' का प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे आगामी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा. राज्य मंत्रिमंडल ने इस विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दे दी है।**

लव जिहाद से दहल रहा भारत

योगेश कुमार सोनी

मध्य प्रदेश में भी इस तरह का कानून लागू हुआ जिसमें अधिनियम के तहत दोषी को 10 साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।यह कानून सामूहिक धर्मांतरण को भी कवर करता है। इस अधिनियम के अनुसार, जो कोई भी धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को पूरी जानकारी के साथ घोषणा करनी होती है। वहीं कोई संभी धार्मिक पुरोहित जो धर्मांतरण समारोह आयोजित करना चाहता है, उसे भी 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देनी होती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश व हरियाणा के साथ तमाम राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून बन हुए हैं लेकिन स्थिति सुधरने की बजाय हर रोज बिगड रही हैं। बीते दिनों जिम-जिहाद,पैसा देकर जिहाद,कैब जिहाद जैसे कई नए-नए तरीके के जिहाद सामने आए। देश में लव-जिहाद को लेकर एक अजीब सी स्थिति बन चुकी। कुछ संगठनों ने जब कट्टर मानसिकता के लोगों को पकड़ा तो उन्होनें कई तरह के राज उगले। जो बताया वह बेहद आश्चर्यचकित करने वाला था। उनके अनुसार उनको हिंदू लड़कियों को फसाकर निकाह करने पर पैसा मिलता है। यह भी बताया कि लडकी से शादी करके उन्हें छोड़कर फिर किसी अन्य किसी लडकी को फसाए जाने को कहा जाता है। जितनी ज्यादा लड़कियां उतना ज्यादा पैसा मिलता रहता है। इसके अलावा जिहादियों की गिरफ्त से छुटी लड़कियों ने बताया कि हमें सनातम धर्म की बुराई करके इस्लाम को अच्छा बताकर माइंड डाइवर्ट किया और हर रोज हमें कुछ भभूती खिलाते थे।साथ ही बॉलीवुड का उदाहरण देते थे कि बॉलीवुड में जितने भी मुसलमान हीरो है उनसे सभी बड़े घराने की हिंदू लड़कियां ही शादी करती है। इसके अलावा यह भी उदाहरण दिया कि बॉलीवुड में मुसलमान लड़कियों ने काम करना बंद कर दिया। सना खान व जायरा वसीम ने यह कहकर बॉलीवुड छोडा कि उनका अल्लाह उन्हें इजाजत नही देता लेकिन सूत्रों के अनुसार सामने यह आया था कि उन्हें कुछ आतंकी ग्रुप से धमकी मिलती थी कि उन्हें इस्लाम का हवाला देकर बॉलीवुड छोडना है। बहरहाल,वहीं लव-जिहाद व धर्मांतरण को लेकर संतों का यह कहना है कि हमारे लोग बच्चों को धर्म के प्रति जागरूक नही करते। पूजा-पाठ व अपने धार्मिक ग्रंथों की जानकारी नही देते वहीं इसके विपरीत मुस्लिम लोग अपने बच्चों को बचपन से अपने धर्म के प्रति जागरूक करते हैं। उनके यहां दस साल का बच्चा रोजा रखते हैं कोई बचपन से ही उनको कुरान पूरी तरह से पढ़ाई व समझाई जाती है लेकिन हिंदुओं में व्यस्क होने के बाद तक भी उनको हनुमान चालीसा व एक भी चौपाई याद नही होती। जहां हम एक ओर एकता का पाठ पढाते हैं वही जिहादी उनको शुरुआत से नफरत करना सिखाते हैं। इसके अलावा एक शिक्षक ने बताया कि स्कूलों के बाहर बहुत सारे मुसलमान लडके खडे होते हैं और वह केवल हिंदू लडकियों को ही टारगेट करते हैं। वहीं बीते दिनों जिम-जिहाद देशभर में बहुत गूंजा जिस पर कुछ हिंदू संगठनों ने कहा कि जिम में केवल हिंदू लडकियां व महिलाएं ही आती है,एक भी मुस्लिम महिला व लडकी नही आती और जितने भी ट्रैनर हैं वह सभी मुस्लिम है। कुछ मुस्लिम पूंजीपतियों ने अपने जिम खोले जिसमें सभी पुरुष ट्रैनर मुस्लिम थे और लडकियां हिंदू हैं और यदि कोई मुस्लिम लडकी आ भी जाती थी तो उसको जिम में एडमिशन देने से मना कर दिया। दरअसल,हम लोग इस बात की गंभीरता नही समझ पा रहे हैं लेकिन सबकी नजर इस समय हिंदुस्तान पर ही है। भारत को इस्लामिक करने में कई देश व कट्टर इस्लामिक संगठन लगे हुए हैं। एक विदेशी मुस्लिम लेखक में अपने एक लेख में कहा है कि 'हिंदुस्तान की हुकुमत सोई हुई है और यदि ऐसा ही रहा तो 2040 तक भारत इस्लामिक राष्ट्र बन जाएगा और कट्टरपंथी उसके कुछ वर्ष बाद हिंदुओं का पाकिस्तान में रह रहे जैसे हिंदुओं जैसा हाल करेंगे। उन्होनें कहा कि बटवारें के बाद भारत में 3.54 करोड मुसलमान थे और अब इनकी आबादी लगभग 30 करोड़ हो चुकी वहीं इसके विपरीत पाकिस्तान में जनसंख्या के हिसाब 15 प्रतिशत हिंदु थे और अब केवल एक प्रतिशत भी पूरे नही बचे। इससे कुछ लोगों की नियत का अंदाजा लगाया जा सकता है।' लेखक की इस बात को सही ठहराते हुए आंकड़ों के आधार पर यह समझा जा सकता है कि हिंदू निश्चित तौर पर सोए हुए हैं व अपने बच्चों,खासतौर पर लड़कियों वह ज्ञान नही दे पा रहे जिसकी उनको जरुरत है। अपने बच्चियों को कट्टरपंथियों से बचाना होगा अन्यथा हालात अभी और भी बुरे हो सकते हैं। इस मुद्दे की गंभीरता में सभी का योगदान जरूरी है। आजकल सोशल मीडिया के दौर में फेमस होने के लिए नग्नता ने अपने पूरे पैर पसार रखे हैं जिनमें 99 प्रतिशत हिंदुओं लडकियां ही दिखेंगी और जिहादियों पर उनकी नजर रहती है और वह भी यू-ट्यूबर बनकर उनको शिकार बना रहे हैं। बीते दिनों एक आंकड़े के अनुसार जितनी भी हिंदू यू-ट्यूबर लड़कियां थी अधिकतर उनके सभी के बॉयफ्रेंड मुसलमान लड़के हैं।यह भी एक किस्म का जिहाद माना जा सकता है। इसलिए अब समय के साथ जागरूक हो जाना ही बेहतर हैं अन्यथा आने वाला समय चिंताजनक होगा। प्रेम करना अपराध नही लेकिन किसी गलत हाथों पर पड़कर अपनी जिंदगी व अपने घरवालों के सम्मान के साथ खेलने वाली लडकियों अब समझना होगा कि क्या गलत है और क्या सही।

चुनाव आयोग ने छुपाई सच्चाई

रोहित माहेश्वरी

समाजवादी पार्टी के अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 में मतदाता सूची से 18,000 नाम काटे जाने के मामले में आयोग ने सच्चाई छुपाई और सत्ता के दबाव में बयान दिया। प्रसाद ने कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव द्वारा इस संबंध में दिया गया प्रार्थना पत्र तथ्यात्मक था, लेकिन आयोग ने उसे झूठा ठहराया, जो लोकतंत्र के साथ अन्याय है। उन्होंने इस मामले में वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग की। प्रसाद ने कहा कि यह सिर्फ सपा का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा का प्रश्न है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि जिन नामों को काटा गया वे या तो मृतक थे या दोहराव वाले। सपा ने इस जवाब को अस्वीकार कर दिया है और निष्पक्ष जांच पर जोर दिया है।

मैं कभी नहीं भूलूंगा–समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी सरकारी गाड़ियों पर करीब 8 लाख रुपए का ओवरस्पीडिंग चालान काटे जाने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय से यह चालान जमा कर देंगे, लेकिन आम जनता इतनी भारी रकम नहीं चुका सकती। अखिलेश ने आरोप लगाया कि चालान की व्यवस्था भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा चलाई जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने 'टोटी चोरी' विवाद को भी याद किया। अखिलेश ने कहा कि यह झूठा आरोप उन पर मढ़ा गया था और इस साजिश में तत्कालीन आईएएस अवनीश अवस्थी की भूमिका रही थी। उन्होंने साफ कहा कि मैं यह मामला कभी नहीं भूलूंगा, एक अखबार ने इस पर स्टिंग भी किया था। अखिलेश ने भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि उसे जनता और बेटियों की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, न कि राजनीतिक प्रतिशोध पर।

भाजपा के मंत्री पद का ऑफर ठुकराया–समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें भाजपा के नेता अमित शाह के संपर्क में आने के बाद मंत्री पद का प्रस्ताव मिला था। भाजपा में शामिल होने के ऑफर में उन्हें योगी आदित्यनाथ की सरकार में मंत्री बनने का मौका दिया गया था, लेकिन शिवपाल यादव ने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि उनका मकसद कभी सत्ता या पद नहीं रहा और वह हमेशा समाजवादी विचारधारा के प्रति वफादार रहे हैं। शिवपाल यादव ने यह भी बताया कि मुलायम सिंह यादव के कहने पर उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाई थी, जो बाद में समाजवादी पार्टी में शामिल हो गई।

भावनाएं भड़काने वाली राजनीति, रहना होगा सावधान

> **भारत के मुसलमानों को अरब के कुछ इस्लामी देशों से सीख लेनी चाहिए जहां इस्लाम का जन्म हुआ। वे एक उदार इस्लाम का समर्थन कर रहे हैं। इतना ही नहीं ये देश कट्टरपंथियों के सोच और उनकी क्रूरता से अपने युवाओं को दूर रख रहे हैं। ये इस्लामी देश अपने देश के लोगों को सुसंस्कृत नागरिक बनने की प्रेरणा भी दे रहे हैं। श्रीनगर की प्रसिद्ध हजरतबल दरगाह के जीर्णोद्धार शिलापट्ट पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चक्र की उपस्थिति ने ईद-ए-मिलाद (पैगंबर का जन्मदिन पांच सितंबर) पर मस्जिद जाने वाले कुछ कश्मीरी मुसलमानों में आक्रोश भड़का दिया। अशोक चक्र को निशाना बनाकर की गई तोड़फोड़ की घटना ने पूरे देश की भावनाओं को ठेस पहुंचाई।**

संध्या जैन।

यह मुद्दा इस्लाम के भीतर और इस्लाम एवं गैर-इस्लाम के भीतर की संवेदनशीलताओं से जुड़ा है। चूंकि राजनीति इस विवाद में शामिल हो गई, इसलिए इस विषय की निष्पक्ष पड़ताल जरूरी है। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड ने अस्सरी शरीफ हजरतबल दरगाह का जीर्णोद्धार कराया था। इसका उद्घाटन तीन सितंबर, 2025 को जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डा. सैयद दरख्शां अंद्राबी ने किया। शिलापट्ट पर अंकित अन्य सदस्यों में सैयद मोहम्मद हुसैन, डा. गुलाम नबी हलीम, बोर्ड के तहसीलदार इश्तियाक मोहिउद्दीन और इंजीनियर सैयद गुलाम ए मुर्तजा शामिल हैं। शिलापट्ट के शीर्ष पर बीच में एक उर्दू पाठ है। दाहिनी ओर अर्धचंद्र के ऊपर मस्जिद का चित्र है और बाईं तरफ उसी आकार का अशोक चक्र का प्रतीक है। न तो यह शिलापट्ट और न ही उस पर अंकित कोई भी प्रतीक इबादत का था। यह निश्चित है कि अशोक चक्र पर तीन सितंबर को ही ध्यान दिया गया। फिर भी चार सितंबर तक असहमति या विरोध की कोई आवाज नहीं उठी। पांच सितंबर को ही विरोध प्रकट किया गया।

पहले पुरुषों और फिर महिलाओं के एक समूह ने पत्थर मार-मारकर शिलापट्ट में अंकित प्रतीक में तोड़फोड़ कर उसे मिटा दिया। ऐसा प्रतीत होता है कि यह हरकत सोच-समझकर की गई। आश्चर्यजनक रूप से राजनीतिक नेताओं द्वारा इस तोड़फोड़ का बचाव किया गया। वे इस मामले को बोर्ड या राज्यपाल के समक्ष निजी तौर पर उठा सकते थे, लेकिन उन्होंने अलग और लोगों को भड़काने वाला रवैया अपनाया। उनका इरादा कश्मीर के साथ देश में भावनाओं को भड़काने का प्रतीत हुआ। यह तर्क पूरी तरह खोखला लगता है कि दिल्ली में संसद भवन में बने शेर प्रतीकात्मक हैं और दरगाह के धार्मिक मूल्यों के साथ असंगत हैं।

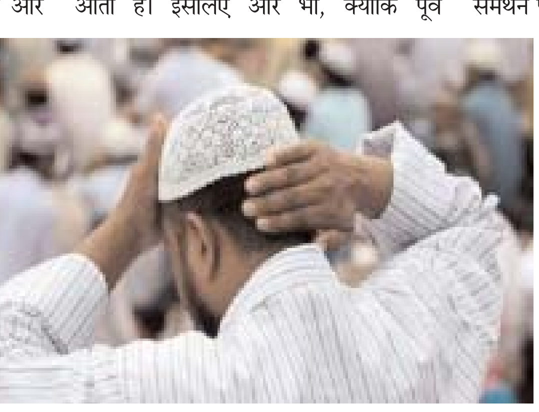

हजरतबल दरगाह की प्रसिद्धि एक पवित्र अवशेष, पैगंबर मुहम्मद की दाढ़ी के एक बाल के कारण है, जिसे मोई-ए-मुकद्दस कहा जाता है। इसे पैगंबर के व्यक्तिगत प्रतीक के रूप में सम्मान दिया जाता है, हालांकि इसकी औपचारिक रूप से इबादत नहीं की जाती। सवाल उठता है कि क्या अशोक चक्र को गणतंत्र के प्रतीक के रूप में उस पट्टिका पर सम्मान नहीं दिया जा सकता था, जहां उसकी औपचारिक रूप से इबादत नहीं की जा रही थी अंद्राबी ने इस तोड़फोड़ की निंदा करते हुए इसे एक ÷आतंकवादी हमला÷ और संविधान, दरगाह की गरिमा और राष्ट्रीय प्रतीकों पर हमला बताया।

उन्होंने इस उपद्रव के लिए नेशनल कांफ्रेंस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया और इसे वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण न रख पाने की उनकी हताशा से जोड़ा। इस कथन में कुछ दम नजर आता है। इसलिए और भी, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला ने मस्जिदों और दरगाहों पर नियंत्रण करके और उन्हें वक्फ बोर्ड के अधीन लाकर कश्मीरी मुसलमानों के एक प्रमुख नेता के रूप में अपनी सार्वजनिक छवि बनाई थी। यह उनकी राजनीति का आधार स्तंभ था। शायद नेशनल कांफ्रेंस को वक्फ बोर्ड पर अपना नियंत्रण न होने का अफसोस है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक तरह से दरगाह के शिलापट्ट में अशोक चक्र के साथ की गई तोड़फोड़ का समर्थन किया। उन्होंने मजहबी स्थल पर अशोक चिह्न लगाने पर सवाल उठाया और तोड़फोड़ में शामिल लोगों पर जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) लगाने का भी विरोध किया। उमर अब्दुल्ला की बातों का समर्थन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती एवं उनकी बेटी ने भी किया।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि दरगाह पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न रखना ईशनिंदा के समान है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विरोध प्रदर्शन ÷प्रतीक चिह्न के खिलाफ नहीं÷, बल्कि ÷मूर्ति पूजा÷ के खिलाफ था। माकपा नेता और विधायक एमवाई तारिगामी और मीरवाइज उमर फारूक ने भी प्रदर्शनकारियों का पक्ष लिया।

इस मामले में यह सवाल अपनी जगह मौजूद है कि आखिर तीन या चार सितंबर को किसी ने आवाज क्यों नहीं उठाई इस सवाल के बीच कुछ मुसलमानों ने प्रदर्शनकारियों की यह कहते हुए आलोचना की कि अशोक स्तंभ भारत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा और राष्ट्रीय प्रतीक है। मस्जिद के बाहर शिलापट्ट पर उसकी उपस्थिति न तो नमाज में बाधा डालती है और न ही मजहबी आस्था को किसी तरह का नुकसान पहुंचाती है।दिलचस्प बात यह है कि अशोक चक्र हज पहचान पत्रों पर भी अंकित है और भारतीय पासपोर्ट पर भी। इसी कारण ऐसे सवाल उठाए जा रहे हैं कि अशोक चक्र का विरोध करने वाले क्या हज यात्रा के दौरान भारतीय पासपोर्ट का विरोध करेंगे इस विवाद के बीच आठ सितंबर को सोशल मीडिया पर हजरतबल दरगाह पर लगे एक हरे और सफेद रंग के होर्डिंग की तस्वीर सामने आई। पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के दौरान (2017-2022) लगाए गए इस होर्डिंग पर अशोक चक्र अंकित है और योजना का संदेश लिखा है। यह केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय (2014-15) की एक पहल थी, जो ऐतिहासिक महत्व के तीर्थ स्थलों के विकास के लिए थी। यदि आलोचक इस नतीजे पर पहुंच रहे हैं कि नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा राष्ट्रीय प्रतीक का विरोध पूरी तरह राजनीतिक है तो उन्हें गलत नहीं कहा जा सकता। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि कई इस्लामी देशों की मस्जिदों की होर्डिंग्स-शिलापट्ट में वहां के राष्ट्रीय प्रतीक अंकित हैं। भारत के मुसलमानों को अरब के कुछ इस्लामी देशों से सीख लेनी चाहिए, जहां इस्लाम का जन्म हुआ। वे एक उदार इस्लाम का समर्थन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, ये देश कट्टरपंथियों के सोच और उनकी क्रूरता से अपने युवाओं को दूर रख रहे हैं। ये इस्लामी देश अपने देश के लोगों को सुसंस्कृत नागरिक बनने की प्रेरणा भी दे रहे हैं। आखिर भारत के मुसलमान इन इस्लामी देशों के मुसलमानों का अनुकरण क्यों नहीं कर सकते।

कृषि विभाग द्वारा कृषि केन्द्रों का किया गया निरीक्षण

कोण्डागांव, एजेंसी। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशन एवं उप संचालक कृषि डीपी ताण्डे के नेतृत्व में जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी को रोकने के लिए निजी उर्वरक विक्रेताओं के परिसर गोदामों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सोमवार को कोण्डागांव के निजी संस्था पूजा कन्स्ट्रक्शन, उन्नत कृषि बीज केन्द्र, सुहाने एग्रो इंडिया प्रालिमि कोण्डागांव एवं बड़ेकनेरा के गौतम कृषि केन्द्र, बघेल कृषि केन्द्र के संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। उप संचालक कृषि डीपी ताण्डे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कोण्डागांव के उन्नत कृषि बीज केन्द्र, सुहाने एग्रो इंडिया प्रालिमि एवं बड़ेकनेरा के गौतम कृषि केन्द्र में जारी वैध प्रमाण पत्र के आधार पर उर्वरक विक्रय का व्यवसाय नहीं करना पाया गया तथा बोर्ड पर विक्रय दर, साप्ताहिक मासिक प्रतिवेदन नहीं देना, निर्धारित प्रपत्र-ड में कैश क्रेडिट मेमो जारी न करना, प्रपत्र-छ में संधारित न करना एवं पॉस मशीन एवं भौतिक स्कंध में अंतर पाया गया है। उपरोक्त नियमों के उल्लंघन पर संस्थाओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। बड़े कनेरा के बघेल कृषि केन्द्र निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उपरोक्त संस्था का प्रोपराईटर विगत 05 से 08 माह से जेल में है। केन्द्र में अन्य व्यक्तियों के द्वारा संचालन करते पाये जाने पर संस्था को बंद कर दिया गया है एवं कार्यवाही जारी है।

आरक्षक भर्ती परीक्षा हेतु जगदलपुर में बनाए गए 18 परीक्षा केंद्र

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार 14 सितंबर को आयोजित होने वाली आरक्षक भर्ती परीक्षा के लिए जगदलपुर में 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें धरमपुरा नं 02 स्थित शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज, धरमपुरा क्रमांक-03 स्थित झाड़ा सिराहा शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, शांति नगर स्थित शासकीय दंतेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय, शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल क्र.1, शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकेंडरी स्कूल, राजेंद्र नगर वार्ड गीदम रोड स्थित सेजेस शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल क्र.2, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स कैंपस धरमपुरा स्थित स्वामी आत्मानंद एक्सीलेंस इंग्लिश मीडियम शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, अग्रसेन चैक संजय मार्केट रोड स्थित स्वामी विवेकानंद शासकीय एक्सीलेंस इंग्लिश मीडियम स्कूल, रेलवे कालोनी स्थित स्वामी आत्मानंद एक्सीलेंस हिन्दी मीडियम शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, धरमपुरा-2 स्थित धरमू माहरा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक, पथरागुड़ा लालबाग के पास स्थित भगत सिंह शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, बालाजी वार्ड स्थित बाल बिहार हायर सेकेंडरी स्कूल, निर्मल हायर सेकेंडरी स्कूल, वेदमाता गायत्री शिक्षा महाविद्यालय कंगोली, आसना स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, दीप्ति कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल अघनपुर, विद्यापती एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल तथा सक्सेस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल जगदलपुर दीनदयाल उपाध्याय वार्ड शामिल हैं। परीक्षा रविवार 14 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

परीक्षा हॉल में प्रवेश के लिए गेट पर मेटल डिटेक्टर से परीक्षार्थियों की जांच की जाएगी। परीक्षार्थियों को अपने साथ प्रवेश पत्र और एक वैध पहचान पत्र लाना अनिवार्य है इंटरनेट से डाउनलोड किए गए प्रवेश पत्र के साथ एक सादे कागज पर दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो भी साथ लाना होगा। परीक्षार्थियों को हल्के रंग की टी-शर्ट या हाफ शर्ट और हल्के जूते या चप्पल पहनकर आना होगा। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण, जैसे बाली, झुमका आदि पहनना मना है। परीक्षा हॉल में घड़ी, पर्स, मोबाइल, बेल्ट, गॉगल्स (चश्मा), म्यूजिक या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और किसी भी संचार साधन को ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा डिप्टी कलेक्टर नंदनी साहू मोबाइल नंबर 78986-32929 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल श्रीवास्तव मोबाइल नंबर 9827491253 को समन्वयक तथा शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. अजय सिंह ठाकुर मोबाइल नंबर 70009-74126 को सहायक समन्वयक नियुक्त किया गया है।

जिले में पंचायत सचिवों की बैठक कलेक्टर ने दी सख्त हिदायतें

धमतरी, एजेंसी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सोमवार को धमतरी, कुरुद, मगरलोड और नगरी विकासखंड के ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन, कर वसूली एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पंचायतों की आय बढ़ाने, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लंबित कार्यों में गति लाने तथा स्वच्छता गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ पूरा करना होगा। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव उपस्थित थीं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बैठक में निर्देश दिए कि आगामी 2 से 10 अक्टूबर तक ग्राम सभाओं का आयोजन कर वृक्षारोपण और स्वच्छता कार्यक्रम संचालित किए जाएं। सचिव समर्थ पंचायत पोर्टल के माध्यम से कर वसूली का ऑनलाइन एंट्री करें तथा करारोपण अधिकारी अधिकतम वसूली सुनिश्चित करें। कम कर वसूली पर जिम्मेदार पंचायत सचिवों के विरुद्ध वेतन रोकने व कारण बताओ नोटिस की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि जिले में ऐसे पीएम आवास (ग्रामीण) जो प्लिंथ स्तर पर लंबित हैं, उन्हें शीघ्र पूरा करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने नगरी और मगरलोड विकासखंड की कई पंचायतों में कमजोर प्रदर्शन पर विशेष निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

कोंडागांव, एजेंसी। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने आज समय सीमा की बैठक में सांसद खेल महोत्सव के पंजीयन की जानकारी लेते हुए इसके सफल एवं गरिमामय आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लक्ष्य की पूर्ति हेतु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिले के सभी महाविद्यालय में प्लेसमेंट कैंप आयोजन हेतु कौशल विकास विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए साप्ताहिक प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

साथ ही स्वीकृत आवासों में मनरेगा भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की और समय पर मस्टर रोल जारी करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने मस्टर रोल जारी करने में लापरवाही पर कार्यवाही करने की बात कही। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे अपने निर्धारित गांव का नियमित निरीक्षण के साथ आश्रम छात्रावासों का भी निरीक्षण करें। साथ ही सभी छात्रावासों में वहां रीडिंग रूम, डायनिंग टेबल और कम्प्यूटर रुम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं का भी निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन की स्थिति की भी जानकारी ली और शेष किसानों का शीघ्र पंजीयन करने को कहा। उन्होंने श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए दीदी ई रिक्शा योजना से अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करने के निर्देश दिए और श्रम पंजीयन का आंकड़ा बढ़ाने को कहा। कलेक्टर ने पोस्टल विभाग के सभी ग्राम पंचायत में पदस्थ स्टाफ को साक्षरता अभियान से जोड़ने पर जोर दिया।

बैठक में इसके अलावा उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य की जानकारी ली और नए छात्रावास भवनों के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश दिए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया कोचवाही के बहु क्रियाशील केंद्र का निरीक्षण

नारायणपुर, एजेंसी। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई और जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो ने जिले के ग्राम कोचवाही में संचालित बहु-क्रियाशील केंद्र का औचक निरीक्षण किया। यह केंद्र कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में 8 महिला स्व-सहायता समूहों के लगभग 60 सदस्यों के माध्यम से पुनः सक्रिय कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गाय पालन, मुर्गी पालन, मछली सह बतख पालन, वर्मी कम्पोस्ट, सब्जी उत्पादन, कुकीज़ निर्माण जैसी इकाइयों का जायजा लिया। कलेक्टर ने समूह की महिलाओं को इस कार्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए कार्य की प्रगति की जानकारी ली और उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं विपणन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस केंद्र से न केवल स्थानीय महिलाओं को स्वरोजगार मिलेगा, बल्कि जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. दिब्येंदु दास द्वारा बताया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगातार तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक महिलाओं को कृषि, पशुपालन, मछली पालन, खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक सिखा रहे हैं, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो रही है। कलेक्टर ने उपस्थित महिला समूहों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन और कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा, जिससे वे अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुँचा सकें और आत्मनिर्भर बन सकेंगें।

मिशन शक्ति हब के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुई सम्पन्न, बाल विवाह रोकथाम के लिए महिलाओं को दिलाई गई शपथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की कार्ययोजना अनुरूप जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश और जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति हब के अंतर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के तहत एमसीबी जिले के चिरमिरी परियोजना अंतर्गत कच्ची दफाई छोटी बाजार में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई और बताया गया कि महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा और कौशल विकास कितना आवश्यक है। साथ ही समाज में समानता का अधिकार, भ्रूण हत्या निषेध, सखी वन स्टॉप सेंटर, पॉक्सो अधिनियम और अन्य केंद्रीय व राज्य योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। महिलाओं और बालिकाओं को सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, महतारी वंदन योजना तथा माहवारी स्वच्छता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर बाल विवाह रोकथाम हेतु सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में परियोजना की पर्यवेक्षकगण, संरक्षण अधिकारी नीता पांडेय, जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ अनीता कुमारी साह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक प्रियंका रजवाड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम महिलाओं में जागरूकता, आत्मनिर्भरता और शिक्षा के महत्व को बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम साबित हुआ।

अपर कलेक्टर ने भरतपुर में सुनी आम लोगों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने विगत 09 सितम्बर 2025 को भरतपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय कक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी–बड़ी समस्याओं को सीधे अपर कलेक्टर के समक्ष रखा। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय–सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। आज की जनदर्शन में कुल 21 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदक चंद्र प्रताप सिंह निवासी जनकपुर तत्कालीन तहसील द्वारा दो तरह के आदेश पारित करने के संबंध में, राम नरेश यादव निवासी मसौरा नक्शा न काटने एवं ऋण पुस्तिका न मिलने के संबंध में, रामकली निवासी जनकपुर प्रार्थियो के कब्जे की शासकीय भूमि पर अनावेदक गणों द्वारा जबरन कब्जा करने के संबंध में, सरपंच निवासी घाघरा जमीनी विवाद के संबंध में, गेंद लाल निवासी जनकपुर पुश्तैनी खाते की भूमि पर अनावेदक द्वारा अवैध रूप से मकान निर्माण करने के संबंध में, भुवनेश्वर मिश्रा निवासी उमरवाह आवेदन पत्र पर सुनवाई न होने के संबंध में, उपसरपंच निवासी कोटाडोल नल जल योजना मिशन कार्यक्रम में अधूरा निर्माण होने के संबंध में, पुष्पराज अहिरवार निवासी लरकोडा राशि दिलाने के संबंध में, इन सबके अलावा जमीन नामांतरण, बंटवारा, फौती, आय, जाति, निवास, पेंशन और राशन से संबंधित भी अनेक आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य नागरिकों को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या करने वाले 6 नकाबपोश गिरफ्तार

धमतरी, एजेंसी। घर में रखे नकद व जेवरात को लूटने से मना करने पर बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या करने वाले 6 नकाबपोश आरोपी युवकों को अर्जुनी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने उनके पास से लूट के जेवरात, नकदी तथा हत्या करने उपयोग किए औजार को जब्त कर कर लिया है। अर्जुनी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक सितंबर की रात ग्राम भानपुरी निवासी कृतराम साहू अपनी पत्नी रश्मि साहू के साथ घर में सो रहे थे, तभी रात करीब दो बजे तीन अज्ञात नकाबपोश आरोपी घर में पीछे की ओर से घुसे बुजुर्ग पति-पत्नी को बंधक बना लिया। फिर आरोपियों ने घर के आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, नगद पांच हजार रुपये व मोबाइल लूट लिया। इस घटना का जब कृतराम साहू ने विरोध किया, तो आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी और वहां से फरार हो गए। रश्मि साहू की रिपोर्ट पर पुलिस ने थाना अर्जुनी में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर हत्यारों को ढूंढने में जुटी हुई थी।

आरोपियों को पकडऩे विशेष पुलिस टीम बनी, लेकिन घटना व आसपास सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था, ऐसे में इस घटना से पर्दा उठाना पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था, लेकिन वैज्ञानिक पद्धति से की गई जांच ने पुलिस को आरोपियों तक पहुंचा दिया।

मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान कर छह आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपियों में धनराज यादव 22 वर्ष ग्राम भठेली, हुपेन्द्र बांधे 18 वर्ष 11 माह ग्राम भठेली, चेतन कुमार साहू 19 वर्ष ग्राम भठेली, कलेश्वर ध्रुव 22 वर्ष ग्राम कचना, हेमसागर मंडावी 20 वर्ष ग्राम गुजरा, हाल संतोषी नगर रायपुर और सोमप्रकाश देवांगन 36 वर्ष ग्राम कुर्रा शामिल है। आरोपियों के पास से पुलिस ने जेवरात, नकदी, मोबाइल, हत्या में प्रयुक्त चाकू, कपड़ा, जूता और बाइक को जब्त किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, 22 आवेदन हुए प्राप्त

कोण्डागांव, एजेंसी। साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने आज जिला मुख्यालय के सभा कक्ष से एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केशकाल और बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके आवेदनों पर त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। जनदर्शन में आज महात्मा गांधी वार्ड कोण्डागांव की रहने वाली सविता सोनवानी ने आवास की मांग की, ग्राम पंचायत कुल्हाड़गांव के ग्रामीणों ने सीसी रोड़ की मांग की, ग्राम बाड़ागांव के सोमारू राम नाग ने किसान किताब बनवाने आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कार्यवाही हेतु एसडीएम को निर्देशित किया। इसी तरह ग्राम आंवराभाटा के घसिया राम नेताम और ग्राम बालेंगा निवासी पनकूराम ने सीसी रोड निर्माण, की मांग की, ग्राम केवंटी निवासी राजेश पवार ने मोबाइल टॉवर स्थापित करने की मांग की सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर 22 आवेदन प्राप्त हुए।

क्यू-आर कोड के माध्यम से मिलेगी ग्राम पंचायतों के तीन वर्षों के कार्यों की जानकारी

कोण्डागांव, एजेंसी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में क्यू-आर कोड सुविधा शुरू की गई है। इस पहल के तहत अब ग्रामीण अपने पंचायत क्षेत्र में विगत तीन वर्षों में हुए कार्यों की विस्तृत जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे। जिला कार्यालय में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और सीईओ जिला पंचायत अविनाश भोई की उपस्थिति में जनपद पंचायत कोण्डागांव के 10 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को क्यू-आर कोड प्रदान किए गए।

क्यू-आर कोड को स्मार्टफोन के कैमरे से स्कैन करने पर संबंधित ग्राम पंचायत में क्रियान्वित सामुदायिक एवं हितग्राही मूलक कार्यों की जानकारी पीडीएफ प्रारूप में मोबाइल पर सहज और त्वरित रूप से प्राप्त होगी। जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई ने बताया कि इस क्यू-आर कोड की सुविधा से योजना में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्रामीणों तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी प्राप्त करने के लिए जिला या जनपद पंचायत कार्यालय तक आने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे समय की बचत होगी और ग्रामीण तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनेंगे।

सूर्य घर योजना से बदल रही ज़िंदगी, शिशिर श्रीवास्तव का बिजली बिल हुआ शून्य

कोण्डागांव, एजेंसी। ऊर्जा बचत और हरित पर्यावरण की दिशा में केन्द्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों की ज़िंदगी बदलने लगी है। इस योजना का एक प्रेरणादायक उदाहरण कोण्डागांव नगर के सरंगीपाल पारा निवासी शिशिर श्रीवास्तव हैं, जिन्होंने अपनी छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल लगाकर बिजली बिल से पूरी तरह मुक्ति पा ली है।

श्रीवास्तव बताते हैं कि उन्हें इस योजना की जानकारी स्थानीय बिजली विभाग से मिली। योजना के बारे में विस्तार से समझने के बाद उन्होंने आवेदन की प्रक्रिया पूरी की और बैंक ऑफ बड़ौदा से लोन स्वीकृत कराया। इसके साथ ही शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली 78 हजार की सब्सिडी का भी लाभ उन्हें प्राप्त हुआ। इस पूरी प्रक्रिया में न तो किसी प्रकार की जटिलता आई और न ही अधिक समय लगा। कुछ ही दिनों में सोलर रूफटॉप सिस्टम उनके घर की छत पर स्थापित हो गया।

3 किलोवाट की क्षमता वाले इस सोलर पैनल से श्रीवास्तव के घर की संपूर्ण बिजली आवश्यकता पूरी हो रही है। पहले उन्हें हर महीने औसतन 2 हजार 5 सौ से 3 हजार रुपये का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, गर्मी के दिनों में बिजली बिल 4 हजार तक बढ़ जाता था, लेकिन अब उनका बिल शून्य हो गया है। यही नहीं, सोलर पैनल से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा रही है, जिसके एवज में उन्हें भविष्य में आर्थिक लाभ भी मिलेगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बिजली बिल की चिंता अब पूरी तरह समाप्त हो गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि अब हमारा घर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी योगदान दे रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत उपभोक्ताओं को घर की छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी उपलब्ध कराया जाता है।

चोरों ने छत से घुसकर घर में की चोरी

खिलचीपुर में 70 हजार नगदी-चांदी के जेवर लेकर भागे, दुकानदार के सूने मकान को बनाया निशाना

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ के खिलचीपुर में चोरों ने एक किराना व्यापारी के सूने मकान से नगदी और जेवरात चुरा लिए। कालाजी बड़ली में रामदेव मंदिर के पास दुकान चलाने वाले बाबूलाल मालाकार के घर में वारदात हुई। बाबूलाल मंगलवार रात साढ़े 12 बजे तक दुकान पर थे। वे दुकान बंद कर बाजार स्थित अपने दूसरे मकान पर सोने चले गए। इस दौरान उनका कालाजी बड़ली वाला मकान खाली था। चोरों ने इसी मौके का फायदा उठाया।

70 हजार नगदी-चांदी के जेवर लेकर भागे: चोर दुकान के पीछे से छत पर चढ़े। उन्होंने टावर का गेट तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी और पेटी का सामान बिखेर दिया। उन्होंने 70 हजार रुपए नगद, तीन जोड़ी चांदी की पायल और दो चांदी की अंगूठियां चुरा लीं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की: बुधवार सुबह करीब 9 बजे जब बाबूलाल मकान पहुंचे, तो घर का सामान बिखरा मिला। अलमारी और गुल्लक से सामान गायब था। उन्होंने तुरंत खिलचीपुर थाने में सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

नेपानगर स्टेशन रोड पर दो दिन से मुरुम का ढेर

पाइप लाइन डालने को खोदी गई थी सड़क, राहगीर परेशान, जल्द व्यवस्थित करने के निर्देश

बुरहानपुर, एजेंसी। नेपानगर में स्टेशन रोड की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। नगर पालिका ने दो दिन पहले खराब सड़क पर गिट्टी और मुरुम डाला। लेकिन ये अभी तक जगह-जगह ढेर के रूप में पड़ी है। इससे राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बुधवार सुबह भी लोग इससे काफी परेशान हुए। नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील ने बताया कि इंजीनियर को एक दिन पहले ही ढेर को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया गया था। इंजीनियर प्रकाश बड़वाहे ने कहा कि कर्मचारियों की टीम आज मौके पर पहुंचकर ढेर को फैलाएगी।

पाइप लाइन डालने को खोदी गई थी सड़क: अंबेडकर चौराहा से रेलवे स्टेशन तक की सीमेंट कंक्रीट सड़क की स्थिति खराब है। पेयजल परियोजना के लिए पाइप लाइन डालने को सड़क खोदी गई थी। पेचवर्क किए गए स्थान धीरे-धीरे उखड़ रहे हैं। सड़क में गड्ढे हो गए हैं और गिट्टी बिखर रही है।

नगर पालिका पर ध्यान न देने का आरोप: नगर के अधिकांश स्थानों पर सड़कों की यही स्थिति है। पाइप लाइन बिछाने के बाद किया गया पेचवर्क व्यवस्थित नहीं था। बारिश के मौसम में यह समस्या और बढ़ जाती है। सड़कें और अधिक क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। फिर भी नगर पालिका इस ओर ध्यान नहीं दे रही है।

आज गिट्टी, मुरुम को व्यवस्थित कराया जाएगा: नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटिल ने कहा अभी बारिश का समय है। जहां पहले से काम चल रहे हैं उन्हें पूरा कराया जा रहा है। इंजीनियर का घर भी स्टेशन रोड पर ही है उन्हें भी कह दिया गया था कि जल्द से जल्द यहां पड़े मिट्टी के रूम के ढेर व्यवस्थित कराया जाए ताकि परेशानी ना हो। वहीं इंजीनियर प्रकाश बड़वाहे ने कहा कि आज कर्मचारियों की टीम लगाई जा रही है। गिट्टी, मुरुम को व्यवस्थित कराया जाएगा। गड्ढे भरने के लिए इसे रोड किनारे डाला गया था।

ट्रक ने कार को टक्कर मारी, दो की मौत; सागर में 7 घायल, 3 की हालत गंभीर

सागर, एजेंसी। सागर से निकले नेशनल हाईवे-44 पर ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 7 लोग घायल हैं, 3 की हालत गंभीर है। हादसा शुखालीपुरा गांव के पास बुधवार दोपहर का है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पलट गई। कार में महिला और एक पुरुष की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मालथौन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

मृतक दमोह जिले में जबेरा के रहने वाले:
दमोह जिले के जबेरा निवासी जैन परिवार के सदस्य कार क्रमांक एमपी 20 जेडएच 1670 में सवार होकर ललितपुर होते हुए शिवपुरी जिले में स्थित गोलाकोट तीर्थ स्थल जा रहे थे। तभी मालथौन थाना क्षेत्र के ग्राम शुखालीपुरा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने कार को साइट से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार डिवाइडर पर पलट गई। दुर्घटना में गंभीर चोट आने से ऋजु जैन (35) निवासी जबेरा और उपेंद्र जैन (45) निवासी गढ़ाकोटा की मौके पर ही मौत हो गई।

राहगीरों ने लोगों को कार से बाहर निकाला: घटना देख राहगीर मौके पर पहुंचे और कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। एम्बुलेंस की मदद से मालथौन अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से तीन गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जहां गंभीर घायल सचिन जैन समेत एक बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। मालथौन थाना प्रभारी अशोक यादव ने बताया कि ट्रक और कार की टक्कर में महिला और पुरुष की मौत हुई है। कुछ लोग घायल हैं। मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

रेहटी और भोपाल से बाइक चोरी का खुलासा, सीहोर में दो बदमाश गिरफ्तार

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले की रेहटी पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो बाइक बरामद की गई हैं, जो रेहटी और भोपाल से चुराई गई थीं। जब्त की गई गाड़ियों की कुल कीमत लगभग 1 लाख रुपए बताई जा रही है।

सब्जी बाजार से बाइक चोरी, रिपोर्ट के बाद जांच शुरू एक सितंबर को ग्राम सोयत निवासी भरत लोवंशी ने थाना रेहटी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक सब्जी बाजार के सामने से चोरी हो गई है। काफी तलाश के बाद भी बाइक का कुछ पता नहीं चला, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मां बोली- बेटी नहीं, बेटा थी आरती:

7 भाइयों की इकलौती बहन काकी को सब बताती थी; उज्जैन में नदी में कार गिरने से हुई मौत

रतलाम, एजेंसी। उज्जैन में 6 सितंबर की रात तीन पुलिसकर्मियों की कार शिप्रा नदी में जा गिरी। इसमें सवार उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा का शव रविवार जबकि एसआई मदनलाल निनामा का शव सोमवार को घटनास्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर मिला था। वहीं, कॉन्स्टेबल आरती पाल की बॉडी 68 घंटे बाद मंगलवार को घटनास्थल से करीब 70 मीटर दूर मिली। रतलाम की रहने वाली आरती (40) अपने भाई की मौत के बाद सवा माह की रस्म में शामिल होने घर आई थीं, ड्यूटी पर लौटते ही हादसे का शिकार हो गईं। उज्जैन में बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। भाई लोकेंद्र पाल ने मुखाग्नि दी।

दादाजी के श्राद्ध में आने का वादा किया था: आरती की मां शीला पाल ने कहा- वह हमारी बेटी नहीं, बेटा थी। आरती पूरे परिवार में सात भाइयों की इकलौती बहन थी। हमेशा हंसती रहती थी। उन्होंने बताया कि 30

आरती पाल, कॉन्स्टेबल

जुलाई को आरती के बड़े भाई जितेंद्र पाल (45) का बीमारी की वजह से निधन हो गया था। इसके बाद की रस्मों के लिए 4 सितंबर को आरती घर आई थी। धूप ध्यान की रस्म के बाद सब मिलकर बैठे थे। इसी दौरान आरती ने नवमी के दिन दादाजी के श्राद्ध में आने का भी वादा किया था। परिजन ने कहा- आरती सभी भाइयों की आंखों का तारा थी। मां और काकी में फर्क नहीं समझती थी। काकी को ही सब कुछ बताती थी। 5 सितंबर की शाम वह ड्यूटी पर लौट गई। 6 सितंबर को हादसा हो गया।

2012 में ड्यूटी जॉइन की थीः आरती ने 2012 में पुलिस विभाग जॉइन किया था। पहली पोस्टिंग उज्जैन के महाकाल थाने में मिली थी। पिछले 4 साल से उन्हेल थाने में पदस्थ थी। आरती का परिवार रतलाम के अरिहंत परिसर में रहता है। पिता अशोक कुमार पाल कलेक्ट्रेट से रिटायर्ड अधीक्षक हैं। मां शीला गृहिणी और छोटा भाई लोकेंद्र स्टाम्प वेंडर हैं। बड़े भाई जितेंद्र की मौत के बाद भाभी नीतू और 12 साल का भतीजा तव्य साथ ही रहते हैं। मकान भी पिता ने आरती के नाम कर रखा था। आरती ने शादी नहीं की थी। वह पूरी तरह नौकरी को समर्पित थी। चचेरा भाई गौरव बोला- दीदी हमेशा हमारे लिए खड़ी रहती थी।

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कारः उज्जैन में बुधवार सुबह चक्र तीर्थ पर कांस्टेबल आरती पाल का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके भाई लोकेंद्र पाल ने मुखाग्नि दी। एडीजी उमेश जोग, डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा और कलेक्टर रोशन सिंह ने उनकी अर्थी को कंधा दिया। उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह ने कहा- जिला प्रशासन और राज्य सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ खड़े हैं। जो भी सहायता संभव होगी, वह हर स्तर पर दी जाएगी। इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए गंभीरता से चर्चा की जा रही है। एसपी प्रदीप शर्मा बोले- हमारी साथी आरती पाल का परिवार रतलाम का रहने वाला है। उनकी इच्छानुसार अंतिम संस्कार उज्जैन में ही कराया गया। यदि परिवार की ओर से अनुकंपा नियुक्ति की मांग आती है, तो उस पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पितरों की मुक्ति के लिए तीर्थ पर श्राद्ध जरूरी

पंडित डिब्बावाला ने कहा- ऑनलाइन श्राद्ध से नहीं मिलता वांछित फल

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में ऑनलाइन तर्पण और श्राद्ध को लेकर चल रहे कर्मकांड के बीच पंडित अमर डब्बावाला ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया है कि ऑनलाइन श्राद्ध से वांछित फल नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि धर्म ग्रंथों में कर्मकांड की विधि स्पष्ट रूप से बताई गई है। तीर्थस्थलों पर पहुंचकर ही श्राद्ध करना चाहिए।

डिब्बावाला ने कहा कि तीर्थस्थलों पर देवताओं का वास होता है। वहां की नदियां देवी-देवताओं की ऊर्जा से परिपूर्ण रहती हैं। इसी ऊर्जा से पितर आगे की यात्रा तय करते हैं। पितरों से संबंधित जलदान, पिंडदान, देव-ऋषि तर्पण, तीर्थ श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध और अन्वष्टका श्राद्ध आदि सभी क्रियाएं तीर्थस्थल पर ही संपन्न होनी चाहिए।

शास्त्रों में श्राद्ध करने के 96 अवसर: उन्होंने स्पष्ट किया कि पद्म पुराण, विष्णु पुराण, मत्स्य पुराण और ब्रह्म पुराण के अनुसार श्राद्ध नित्य और नैमित्तिक होता है। शास्त्रों में श्राद्ध करने के 96 अवसर बताए गए हैं। गया में श्राद्ध करने के बाद भी तीर्थ श्राद्ध और तर्पण श्राद्ध किए जा सकते हैं।

श्राद्ध से होती है वंश वृद्धि: उनका मानना है कि श्राद्ध करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है। इससे वंश की वृद्धि होती है और धन-धान्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्राप्ति होती है। ऑनलाइन पद्धति भारतीय सनातन धर्म की संस्कृति का हिस्सा नहीं है और इससे वांछित फल प्राप्त नहीं होता।

सागर में रिटायर्ड शिक्षक से धोखाधड़ी

बैंक में बनी एफडी पर 4.50 लाख का लोन निकाला

सागर, एजेंसी। सागर के देवरी के रिटायर्ड शिक्षक रविशंकर मिश्रा के साथ बैंक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। शिक्षक ने बताया कि उनकी एफडी से ऑनलाइन लोन निकाल लिया गया। उन्होंने देवरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

रिटायर्ड शिक्षक रविशंकर मिश्रा ने बताया कि 8 सितंबर को वह भारतीय स्टेट बैंक, देवरी शाखा अपनी 5 लाख रुपए की एफडी तोड़ने गए थे। वहां उन्हें पता चला कि उनकी एफडी पर 4 फरवरी को दिलेंद्र सिंह, घंटाघर मैहर ने ऑनलाइन धोखाधड़ी करके 4.50 लाख रुपए का लोन निकाल लिया। शिक्षक को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

पहले भी हुई थी धोखाधड़ी: शिकायतकर्ता ने बताया कि इससे पहले 5 मार्च को उसी व्यक्ति ने उनके खाते से 50 हजार रुपए धोखाधड़ी से निकाल लिए थे। उस समय भी उन्होंने देवरी थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। बैंक ने खाते चेक किए और होल्ड लगाया था, लेकिन तब ऑनलाइन लोन की जानकारी शिक्षक को नहीं दी गई थी।

जांच और कार्रवाई की मांग: शिक्षक रविशंकर मिश्रा ने पुलिस से दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंदसौर के सरकारी स्कूल निकला 8 फीट लंबा सांप

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के लुनाहेड़ा में स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय बुधवार सुबह उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब स्कूल परिसर के भीतर अचानक एक नाग नज़र आया। नाग को देख शिक्षक घबरा गए, तभी स्थानीय लोगों को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत सर्प मित्र गणेश सालवी को सूचना दी जिसके बाद वह फौन मौके पर पहुंचे और साहस दिखाते हुए नागराज का रेस्क्यू किया जिसका वीडियो भी सामने आया है।

नर्मदापुरम जिला अस्पताल के एसएनसीयू में फिर नवजात की मौत

जन्म के 17 घंटे बाद तोड़ा दम, सांस लेने में हो रही थी दिक्कत; लापरवाही का आरोप

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में लगातार नवजात शिशुओं की मौत का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह 7.30 बजे एक और नवजात की मौत हो गई। नवजात का जन्म मंगलवार दोपहर 2.30 बजे हुआ था। मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और बदतमीजी का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार विनीता पत्नी रामकीरत सैनी को मंगलवार को बुधनी से रेफर किया गया था। गर्भ में नाल फंसी होने के कारण सीजर से बच्चा जन्मा। जन्म के समय नवजात का वजन 2.3 किलो था। नवजात के हाथ नीले थे और सांस लेने में तकलीफ थी, इसलिए उसे तुरंत एसएनसीयू वार्ड में भर्ती किया गया।

स्टाफ ने जानकारी नहीं दी और चिल्लाया: नवजात के पिता रामकीरत सैनी ने बताया कि वे हर दो घंटे में बच्चे की स्थिति जानने जा रहे थे, लेकिन स्टाफ ने बार-बार कहा कि बच्चा ठीक है और उन्हें भगा दिया। सुबह उन्हें बताया गया कि उनका बच्चा मर चुका है। उन्होंने कहा कि इलाज में लापरवाही हुई और स्टाफ का व्यवहार ठीक नहीं था।

नवजात की हालत गंभीर थी: सिविल सर्जन: सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले ने बताया कि नवजात की हालत गंभीर थी। जन्म से पहले नाल फंसी होने के कारण सीजर किया गया। नवजात के दिल में परेशानी, सांस लेने में कठिनाई और नीला शरीर होने के कारण तुरंत एसएनसीयू में भर्ती किया गया था। स्टाफ के व्यवहार की शिकायत पर जांच कराई जा रही है।

मंगलवार को भी नवजात की मौत: मंगलवार को भी माखननगर के कोठारिया निवासी ज्योति पत्नी रोहित मेहरा (27) के नवजात का जन्म 2.800 ग्राम वजन के साथ जिला अस्पताल में हुआ। जन्म के तुरंत बाद नवजात को एसएनसीयू में भर्ती किया गया। ड्यूटी डॉक्टर रितुराज सिंह के अनुसार नवजात ने जन्म के समय रोना नहीं रोया और मुंह में गंदा पानी चला गया, जिससे फेफड़ों में ऑक्सीजन का स्तर नहीं बन पाया और नवजात की मौत हो गई।

नवरात्रि तक मंडी में बढ़ेगी आवक

खरगोन में 1.94 लाख हेक्टेयर में बुवाई; धूप निकलने से कपास की फसल में सुधार

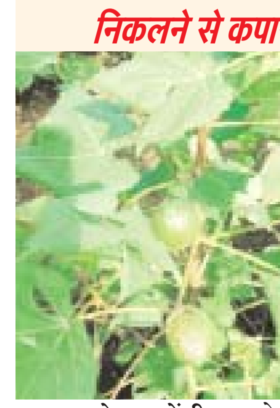

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में मौसम में सुधार से किसानों को राहत मिली है। लगातार बारिश के बाद अब धूप निकलने से कपास की फसल में नई जान आई है। तापमान 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

जिले में इस साल 1.94 लाख हेक्टेयर में कपास की बुवाई की गई है। लंबी बारिश से खेतों में पानी जमा हो गया था। इससे पौधे पीले पड़ने और घेटे सड़ने का खतरा था। किसान महेश यादव और तेरसिंह ने बताया कि कुछ जगहों पर फसल को नुकसान हुआ है।

मंडी प्रशासन ने 4 सितंबर से कपास मंडी शुरू कर दी है। मंडी निरीक्षक रामचंद्र भास्करे के अनुसार वर्तमान में आवक कम है। धूप निकलने से कपास की चुनाई में तेजी आएगी। इससे नवरात्रि तक मंडी में आवक बढ़ने की संभावना है।

बागेश्वर धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार पलटी

नौगांव के पास हादसे में एक की मौत, एक घायल

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के नौगांव थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह दौरिया गांव के पास एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पलट गई। कार पलटने के बाद करीब 25 फीट दूर जाकर एक खेत में जा गिरी। हादसे में कार सवार दो व्यक्तियों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों बागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नौगांव अस्पताल भेजा गया है। वहीं, घायल को पहले नौगांव अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दतिया के निवासी थे, बागेश्वर धाम से लौट रहे थे: पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 52 वर्षीय रामगोपाल शर्मा और घायल की पहचान 30 वर्षीय नवनीत शर्मा के रूप में हुई है। दोनों दतिया जिले के निवासी हैं और मंगलवार को बागेश्वर धाम दर्शन के लिए आए थे। बुधवार सुबह वापस दतिया लौटते समय हादसा हो गया।

झपकी लगने से हुआ हादसा: नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि कार सवार दोनों लोग बागेश्वर धाम से लौट रहे थे। दौरिया गांव के पास चालक को झपकी लगने से कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांवड़ यात्रा मामले में अशोक पालीवाल और अमित जैन बरी

खंडवा सेशन कोर्ट ने सुनाया फैसला, लोअर कोर्ट ने जुर्माना लगाया था

खंडवा, एजेंसी। खंडवा कोर्ट ने धारा 188 के एक मामले में हिंदूवादी नेता अशोक पालीवाल और अमित जैन को बरी कर दिया है। फैसला सेशन कोर्ट ने दिया है, जबकि इसी केस में लोअर कोर्ट ने एक-एक हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। मामला 1 अगस्त 2016 का है, जब कांवड़ यात्रा के दौरान प्रतिबंध लगाने के बावजूद डीजे बजाए गए थे। पालीवाल और जैन इस यात्रा के आयोजक थे और उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

खंडवा कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मनीष रघुवंशी ने 5 सितंबर 2022 को अपने फैसले में अमित, पिता राजेंद्र जैन (34) निवासी सन्मति नगर, नवल, पिता मांगीलाल (38) निवासी सिविल लाइन और अशोक, पिता मदनलाल पालीवाल (47) निवासी हाटकेश्वर वार्ड को सजा सुनाई थी। धारा 188 के तहत दोषी पाए जाने पर तीनों के खिलाफ एक-एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया था। कांवड़ यात्रा के आयोजक और हिंदूवादी नेता अमित जैन और अशोक पालीवाल ने इस फैसले को सेशन कोर्ट में चुनौती दी। सेशन कोर्ट के न्यायाधीश (द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश) अनिल चौधरी ने लोअर कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया। इस केस को रद्द (अपास्त) करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया गया।

कांवड़ यात्रा के दौरान बिना अनुमति डीजे चलाया गया: थाना मोघट रोड पर तत्कालीन एसआई हुकुमचंद चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 अगस्त 2016 को कांवड़ यात्रा के दौरान उनकी शेर चौराहा पर यह घटना हुई थी। उस दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के तहत कलेक्टर की ओर से धारा 144 लगाई गई थी। इसके तहत ध्वनि प्रदूषण अथवा किसी भी प्रकार का शोर-शराबा तथा रैली, जुलूस व यात्रा में डीजे को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया था।

लेकिन 1 अगस्त 2016 को दोपहर करीब ढाई बजे जिला अस्पताल के सामने से शेर तिराहा तक आम रोड से कांवड़ यात्रा निकाली जा रही थी। इस यात्रा के आयोजक अशोक पालीवाल और अमित जैन ने बिना अनुमति के दो वाहनों (MP09GE6757, MP09GF2192) में भावसार साउंड पंधाना के डीजे साउंड जोर-जोर से बजाए, जिससे काफी शोर-शराबा हुआ और हृदय में कंपन पैदा होकर कानों की सुनने की क्षमता प्रभावित हुई। कांवड़ यात्रा में उक्त दोनों वाहनों के वाहन मालिक, डीजे मालिक और आयोजक अशोक पालीवाल, अमित जैन ने कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन किया। इसके बाद केस दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करने की अनुमति ली गई और 26 दिसंबर 2016 को परिवाद प्रस्तुत किया गया। लोअर कोर्ट में लगभग 6 साल तक ट्रायल चला और 5 सितंबर 2022 को एक-एक हजार रुपए जुर्माने की सजा दी गई।

सेशन कोर्ट ने माना- यात्रा परंपरागत थी, परमिशन जरूरी नहीं: 8 सितंबर 2025 को सेशन कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि लोअर कोर्ट का निर्णय विधि सिद्धांतों और प्रकरण के तथ्यों के विपरीत होने के कारण अपास्त किए जाने योग्य है। कांवड़ यात्रा हर साल सावन के महीने में परंपरा अनुसार निकाली जाती है। शहर और आसपास के समाजजन कांवड़ यात्रा में शामिल होते हैं। परंपरा अनुसार निकाले जाने वाले किसी भी जुलूस के लिए एसडीएम की परमिशन जरूरी नहीं होती है। न ही इस प्रकरण में किसी गवाह ने अभियोजन का समर्थन किया है। इससे आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं। इसलिए आवेदक दोषमुक्त किए जाने के प्रबल अधिकारी हैं। लोअर कोर्ट के 5 सितंबर 2022 के आदेश को निरस्त करते हुए आवेदकों को दोषमुक्त किया जाता है।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे पायदान पर पहुंचे आर्चर

दुबई, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने आईसीसी वनडे गेंदबाजों की ताज़ा रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाते हुए तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि पाई। हालांकि इंग्लैंड यह सीरीज 1-2 से हार गया, लेकिन आर्चर ने वापसी करते हुए लगातार चार-चार विकेट लिए। दूसरे मैच में उन्होंने 4/62 और तीसरे में 4/18 का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि तीसरे वनडे में इंग्लैंड ने मेहमान टीम को रिकॉर्ड 342 रन से हराया। सितंबर 2020 में आठवें स्थान तक पहुंचे आर्चर ने पहली बार टॉप-3 में जगह बनाई है। इंग्लैंड के ही आदिल रशीद ने भी सात स्थानों की छलांग लगाते हुए आठवां स्थान हासिल किया। उन्होंने सीरीज में आठ विकेट मात्र 9.00 की औसत और 4.07 की इकोनॉमी से झटके। दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने सीरीज में 61 और 100 रन की पारियां खेलते हुए बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग लगाकर 19वां स्थान प्राप्त किया। वह दो साल बाद टॉप-20 में लौटे हैं। कप्तान जोस बटलर सात स्थान की छलांग के साथ 35वें स्थान पर पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्ज़के ने लगातार पांच वनडे पारियों में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड कायम किया और 44 स्थान की छलांग लगाकर 64वें पायदान पर पहुंचे। इंग्लैंड के जैकब बेटेल 65वें स्थान पर हैं। यूएई में खेले गए टी20 ट्राई-नेशन सीरीज (पाकिस्तान, अफगानिस्तान, यूएई) जीतने के बाद पाकिस्तान के कई खिलाड़ियों को आईसीसी टी20 रैंकिंग में फायदा मिला। फखर ज़मान बल्लेबाजी में 9 स्थान चढ़कर 68वें पायदान पर पहुंचे। गेंदबाजों में सुफियान मुकीम 7 स्थान चढ़कर 15वें और अबरार अहमद 39 स्थान चढ़कर संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंचे। शाहीन शाह अफरीदी चार स्थान की छलांग लगाकर 22वें पायदान पर पहुंचे। प्लेयर ऑफ द सीरीज मोहम्मद नवाज़ 13 स्थान की छलांग लगाकर 30वें स्थान पर पहुंचे। उन्होंने फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ पांच विकेट (5/19) लिए, जिसमें हैट्रिक भी शामिल थी। अफगानिस्तान के नूर अहमद 40 स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 33वें पायदान पर पहुंचे। श्रीलंका के कुसल परेरा तीन स्थान चढ़कर नौवें और जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय रिकर्व तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन

ग्वांगझू, एजेंसी। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का बुधवार को विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। सभी तीनों खिलाड़ी व्यक्तिगत मुकाबलों में हारकर पदक दौर में जगह बनाने में नाकाम रहे। डेब्यू करने वाले राहुल ने सबसे बेहतर खेल दिखाया और तीसरे राउंड (टॉप-32) तक पहुंचे। हालांकि, वह जॉर्जिया के एलेक्ज़ांद्रे मचावारियानी से शूट-ऑफ में 5-6 (8-10) से हार गए। 21 वर्षीय राहुल 5-3 की मजबूत बढ़त पर थे, लेकिन अंतिम दो सेटों में चूक गए। शुरुआती सेट 28-28 की बराबरी पर छूटा। इसके बाद राहुल ने दूसरा सेट परफेक्ट 30 के साथ जीता और तीसरा 28-27 से अपने नाम किया। चौथे सेट में 8 अंक की चूक ने उन्हें पीछे धकेल दिया, जहां मचावारियानी ने तीनों 10 मारकर मुकाबले में वापसी की। निर्णायक सेट 27-28 से हारने के बाद राहुल शूट-ऑफ में केवल 8 अंक ही ला पाए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी ने परफेक्ट 10 मारकर जीत दर्ज की। भारत के सबसे अनुभवी और ओलंपियन धीरज बोम्मदेवरा का सामना पहले ही राउंड में पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाज़ोज़ से हुआ। धीरज ने पहला सेट 29-29 से बराबरी पर छोड़ा, लेकिन इसके बाद 2-6 से हार गए। गाज़ोज़ ने दूसरे सेट में 29-28 से बढ़त बनाई, तीसरे में भी 29-28 से आगे निकले और चौथे सेट की बराबरी (29-29) के बावजूद मैच अपने नाम कर लिया। इसी तरह नीरज चौहान का सफर बेहद जल्दी खत्म हो गया। उन्हें उज्बेकिस्तान के बोबराजाबोव बेकज़ोद ने सीधे सेटों में 0-6 से मात दी। नीरज के स्कोर क्रमशः 27-29, 27-28 और 26-29 रहे।

निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने दस मीटर एयर राइफल इवेंट में जीता सिल्वर मेडल

मुरादाबाद, एजेंसी। निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने अपने हुनर का परचम लहराते हुए एक बार फिर पीतलनगरी का नाम रोशन किया है। जयपुर में आयोजित स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर वर्ग की दस मीटर एयर राइफल इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही श्रद्धा ने आगामी श्री नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है जो 9 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक भोपाल में आयोजित होगी। सदर कोतवाली क्षेत्र के मंडी चौक की रहने श्रद्धा ने प्रतियोगिता में 400 में से 393 का प्रभावशाली स्कोर कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना। इससे पहले दिल्ली स्थित डॉ. करण्णी शूटिंग रेंज में आयोजित प्री-स्टेट चैम्पियन में श्रद्धा ब्रांज मेडल जीत चुकी है। बद्धा ने सात महीने पहले ही शूटिंग का अभ्यास करना शुरू किया था और बेहद कम समय में ही उन्होंने राज्य स्तर पर मेडल जीत लिया है। वर्तमान में श्रद्धा बुद्धि विहार स्थित गिल स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी में प्रशिक्षण ले रही हैं। यहां यह स्वयं अभ्यास करती हैं और सीनियर शिलड़ियों की देखरेख में तकनीकी सुधार पर ध्यान दे रही है। श्रद्धा ने बताया कि अब वह नेशनल प्रतियोगिता की तैयारी के लिए रोजाना चार घंटे अभ्यास करेंगी। श्रद्धा के अनुसार वह टीएमयू में स्नातक की छात्रा है हैं और कॉलेज से लौटने के बाद रोजाना तीन घंटे रेंज पर पसीना बहाती हैं। श्रद्धा ने कहा कि उनका सपना है कि एक दिन यह भारतीय टीम का हिस्सा बनकर ओलम्पिक में मेडल जीते।

फिडे ग्रैंड स्विस 2025: गुकेश को मिली दूसरी हार , एरिगैसी की उम्मीदें बरकरार

समरकंद, एजेंसी। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। छठे दौर में उन्हें ग्रीस के निकोलस थियोडोरू ने मात दी। पिछले दौर में अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से हारने के बाद गुकेश एक बार फिर ड्रॉ की स्थिति से जीत की कोशिश में उलझ गए और गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा। शीर्ष तालिका पर ईरान के परहम मघसूदलू ने बढ़त बनाए रखी है। हालांकि, भारत के अर्जुन एरिगैसी ने काले मोहरों से शानदार खेल दिखाते हुए मघसूदलू को रोक लिया और अब केवल आधे अंक पीछे (4.5 अंक) रहते हुए खिताबी दौड़ में मजबूती से टिके हुए हैं। एरिगैसी के साथ ही अभिमन्यु मिश्रा (अमेरिका), जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम और भारत के निहाल सरीन भी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच, शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अज़रबैजान के रऊफ मामेदोव के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बावजूद ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। वहीं, उनकी बहन आर. वैशाली ने अज़रबैजान की उल्विया फातालिएवा को हराकर महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त कायम रखी। वैशाली के साथ फिडे प्रतिनिधि कतेरीना लाग्नो भी शीर्ष पर बनी हुई हैं। वैशाली ने काले मोहरों से बेहतरीन आक्रामक खेल दिखाया और अतिरिक्त प्यादे के सहारे हाथी और प्यादों के एंडगेम में जीत दर्ज की। गुकेश अब 50 प्रतिशत स्कोर पर हैं और टूर्नामेंट में टिके रहने के लिए उन्हें बचे हुए पांच में से कम से कम चार मैच जीतने होंगे। प्रज्ञानानंद जीत से चूक गए, लेकिन निहाल सरीन ने पोलैंड के सिमोन गुमुलार्ज़ की गलती का फायदा उठाते हुए अंक तालिका में छलांग लगाई।

हांगकांग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से पीवी सिंधु बाहर, प्रणय और लक्ष्य सेन आगे बढ़े

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का सफर बुधवार को समाप्त हो गया। सिंधु को डेनमार्क की गैर वरियता प्राप्त खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफर्सन से तीन गेमों की कड़ी भिड़ंत में 15-21, 21-16, 21-19 से हार झेलनी पड़ी। करीब एक घंटे चले मुकाबले में क्रिस्टोफर्सन के खिलाफ सिंधु की यह पहली हार है।

पहले गेम में सिंधु ने दमदार शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई और 21-15 से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे गेम में वह 13-12 की बढ़त के बावजूद लगातार पांच अंक गंवाकर पिछड़ गईं। निर्णायक गेम रोमांचक रहा और स्कोर 19-19 की बराबरी पर पहुंचा। यहां डेनमार्क की खिलाड़ी ने दबाव संभालते हुए लगातार दो अंक जीतकर सिंधु को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

दूसरी ओर, भारत के पुरुष शटलरों ने शानदार प्रदर्शन किया। एच.एस.प्रणय ने विश्व नंबर-14 चीन के लु गुआंग जू को 21-17, 21-14 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, पूर्व विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता लक्ष्य सेन ने कड़े संघर्ष में 22-20, 16-21, 21-15 से जीत दर्ज की। किरण जॉर्ज ने सिंगापुर के उच्च वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जेसन टेह को 21-16, 21-11 से पराजित कर अगला दौर पक्का किया।

डबल्स मुकाबलों में भारतीय बहनों रुतापर्णा और स्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी को 17-21, 9-21 से हार मिली। वहीं मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिल और तनीषा क्रास्टो भी चीनी ताइपे की जोड़ी के हाथों सीधे गेमों में हार गए। आयुष शेट्टी अपने पहले दौर के मुकाबले में बाद में उतरेंगे, जबकि मंगलवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने विजयी आगाज़ किया था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर्स : रोनाल्डो ने की सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड की बराबरी, हंगरी को हराकर पुर्तगाल शीर्ष पर

बुडापेस्ट,एजेंसी। पुर्तगाल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर्स में मंगलवार रात रोमांचक मुकाबले में हंगरी को 3-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। मैनचेस्टर सिटी के जोआओ कैंसिलो ने बॉक्स के किनारे से शानदार गोल दागते हुए विजयी गोल किया। वहीं, स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी गोल कर विश्व कप क्वालिफाइंग में सर्वाधिक गोल करने का संयुक्त रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोबर्टो मार्टिनेज की टीम ने शुरुआती दो मुकाबलों में लगातार जीत दर्ज की है। इससे पहले उसने आर्मेनिया को 5-0 से हराया था। पुर्तगाल अब ग्रुप एफ में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि आर्मेनिया तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। हालांकि मुकाबले की शुरुआत हंगरी के पक्ष में रही। फरेंकवारोस क्लब के स्ट्राइकर बारनाबास वार्गा ने जोल्ट नागी के क्रॉस पर हेडर लगाकर गोल किया और मेजबान टीम को बढ़त दिलाई।

पहले हाफ में हंगरी के गोलकीपर बालाज तोथ ने रोनाल्डो की नजदीकी दूरी से लगाई शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। लेकिन छह मिनट बाद मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर बर्नार्डो सिल्वा ने मौका पाकर गोल दाग दिया और स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में 58वें मिनट में रोनाल्डो ने पेनाल्टी पर गोल कर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। यह गोल उनके विश्व कप क्वालिफाइंग करियर का 39वां गोल था, जिससे वह ग्वाटेमाला के पूर्व स्टार कार्लोस रूइज के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंच गए। 84वें मिनट में वार्गा ने एक और हेडर लगाकर हंगरी को बराबरी पर ला दिया। लेकिन सिर्फ दो मिनट बाद पुर्तगाल ने गेंद छीनकर तेजी से हमला किया और कैंसिलो ने निर्णायक गोल दागकर टीम को 3-2 से जीत दिला दी। हंगरी 1986 के बाद से विश्व कप में क्वालिफाई नहीं कर पाया है और पुर्तगाल के खिलाफ अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं कर सका है।

एशिया कप 2025 का आगाज, अफगानिस्तान ने हांगकांग को 94 रन से हराया

अबू धाबी,एजेंसी। एशिया कप 2025 का आगाज धमाकेदार अंदाज में हुआ है, जब अफगानिस्तान ने उद्घाटन मुकाबले में हांगकांग को 94 रन से रौंद डाला। यह जीत टी20 एशिया कप के इतिहास में रन के अंतर से सब से बड़ी जीत साबित हुई। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 188 रन बनाए। टीम के सलामी बल्लेबाज सदीकुल्लाह अटल ने 73 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने मात्र 20 गेंदों में अर्धशतक जड़कर नया इतिहास रच दिया। अजमतुल्लाह ने 53 रन की पारी खएली। मोहम्मद नबी ने 33 रन का योगदान दिया। यह अफगानिस्तान की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक रहा।

जवाब में हांगकांग की पूरी टीम अफगान गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आई और 94 रन ही बना सकी। हांगकांग की ओर से बाबर हयात ने सबसे अधिक 39 रन बनाए, जबकि कप्तान यासिम मुर्तजा ने 16 रन बनाए। अफगान गेंदबाजों ने लगातार विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों को टिकने का कोई मौका नहीं दिया। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी और गुलाबदीन नाइब ने दो-दो विकेट चटकाए। जबकि अजमतुल्लाह ओमरजाई, राशिद खान और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने न सिर्फ टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत की बल्कि अन्य टीमों को भी सख्त संदेश दिया कि वह खिताब की प्रबल दावेदार है।

सम्राट राणा 'इनर 10एस' के आधार पर फाइनल से चूके, दिव्या फाइनल की दौड़ में बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के दूसरे दिन बुधवार को भारत के खिलाड़ी सम्राट राणा पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एपीएम) स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने से बेहद करीब रह गए। वह केवल 'इनर 10ह्य' की गिनती पर फाइनल से चूक गए। महिला 25 मीटर पिस्टल (एसपीडब्ल्यू) प्रिसिजन स्टेज में दिव्या टी.एस. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष आठ में अपनी जगह बनाए रखी और 11 सितंबर को होने वाले रैपिड-फायर स्टेज के बाद फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदारी कायम रखी। एपीएम क्वालिफिकेशन में राणा ने कुल 582-20× का स्कोर किया। उनके सीरीज स्कोर 96, 98, 92, 95, 99 और 97 रहे, जिसके साथ वह 10वें स्थान पर रहे। उन्होंने फाइनल में जगह बनाने से इसलिए चूक गए, क्योंकि उनके 'इनर 10ह्य' ईरान के वाहिद गोलखंदन से पांच कम थे। गोलखंदन ने 582-25× के साथ आठवां स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। अन्य भारतीयों में अमित शर्मा ने 576-18× (97, 96, 97, 93, 98, 95) के साथ 28वां स्थान पाया, जबकि निशांत रावत 568-11× (97, 97, 95, 91, 92, 96) के साथ 42वें स्थान पर रहे।

एपीएम फाइनल में स्वर्ण पदक मौजूदा एशियाई चैंपियन चीन के काई हु ने जीता, जो 2025 में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखे हुए हैं। उन्होंने 242.3 का स्कोर करके इस साल का अपना पांचवां सीनियर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने सभी वर्ल्ड कप और एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीते थे। उनके हमवतन चांगजी यू 241.5 के स्कोर के साथ रजत पदक विजेता रहे, जबकि स्विट्ज़रलैंड के जैसन सोलारी ने 220.4 के साथ कांस्य पदक हासिल किया। सपीडब्ल्यू (प्रिसिजन स्टेज) क्वालिफिकेशन में दिव्या टी.एस. ने शानदार 291-14× (97, 94, 100) का स्कोर करते हुए सातवां स्थान हासिल किया। वह फाइनल

के लिए प्रबल दावेदारी में बनी हुई हैं। उनके आगे कोरिया की येजिन ओह 291-15× के साथ हैं, जबकि चीन की कियानशुन याओ 298-11× के साथ शीर्ष पर हैं। अन्य भारतीयों में अभिद्न्या अशोक पाटिल ने 288-7× (96, 96, 96) का स्कोर कर 19वां स्थान हासिल किया, जबकि ओलंपियन राही सरनोबत 286-8× (95, 93, 98) के साथ 26वें स्थान पर रहीं। दिव्या और अन्य खिलाड़ी गुरुवार सुबह भारतीय समयनुसार 7 बजे पर रैपिड-फायर स्टेज में उतरेंगे। इसके बाद शीर्ष आठ खिलाड़ी भारतीय समयानुसार 9¬15 बजे होने वाले फाइनल में प्रवेश करेंगे। प्रतियोगिता के तीसरे दिन गुरुवार को भारत के उमामहेश मड्देनीनी, दिव्यांश सिंह पंवार और नीरज कुमार पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल (एआरएम) स्पर्धा में उतरेंगे। क्वालिफिकेशन सुबह 7¬15 बजे आईएसटी से शुरू होगा और फाइनल दोपहर भारतीय समयानुसार 12 बजे खेला जाएगा।

कमिश्नर, प्रभारी कलेक्टर और अपर कलेक्टर ने खाद वितरण केन्द्रों का किया निरीक्षण

जिले भर में डबल लॉक सेंटर और सहकारी समितियों से हो रहा खाद का वितरण

जिले की 8 सेवा सहकारी समितियों से 11 को होगा खाद का वितरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में रासायनिक खाद विशेषकर यूरिया की मांग लगातार बनी हुई है। यूरिया खाद की दो रैक जिले को प्राप्त हुई हैं जिनका वितरण लगातार किया जा रहा है। जिले के पाँच डबल लॉक केन्द्रों तथा सहकारी समितियों से किसानों को खाद दी जा रही है। डबल लॉक केन्द्रों में किसानों को ऋण पुस्तिका के आधार पर टोकन दिया जाता है। टोकन में दर्ज दिनांक को किसान निर्धारित मात्रा में खाद गोदाम से प्राप्त कर रहे हैं। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने चोरहटा खाद बिक्री केन्द्र का निरीक्षण किया।

कमिश्नर ने कहा कि टोकन और खाद वितरण की समुचित व्यवस्था करें जिससे किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो। खाद की रैक लगातार आ रही हैं। इसके वितरण के लिए समुचित प्रबंध करें। प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने करहिया मण्डी में तीन काउंटरों से खाद के लिए टोकन वितरण का जायजा लिया। प्रभारी कलेक्टर ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि यूरिया खाद लगातार प्राप्त हो रही है। पिछले एक सप्ताह से इसका लगातार वितरण किया जा रहा है। डबल लॉक केन्द्रों के साथ-साथ सहकारी समितियों में भी यूरिया उपलब्ध है। किसान आगामी एक सप्ताह की आवश्यकता के अनुसार खाद प्राप्त करें।

करहिया कृषि उपज मण्डी में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला तथा नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला द्वारा टोकन वितरण की समुचित व्यवस्था की गई। किसानों को शेड में कतारबद्ध करके टोकन वितरित किए गए। मार्कफेड के सभी डबल लॉक केन्द्रों में राजस्व तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में खाद का वितरण किया जा रहा है। एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी ने बताया कि शाम 5 बजे तक वितरण केन्द्र गुढ़ में 500 से अधिक किसानों को खाद का वितरण किया जा चुका है। केन्द्र में उपस्थित किसानों को खाद का वितरण जारी है। एसडीएम जवा पीयूष भट्ट ने बताया कि जवा में डबल लॉक केन्द्र महुआ टोला में किसानों को कतारबद्ध करके टोकन के अनुसार खाद का वितरण किया गया। एसडीएम त्योंथर पीएस त्रिपाठी ने बताया कि चाकघाट विपणन केन्द्र में खाद का स्टॉक समाप्त हो गया है। वेयरहाउस में उपलब्ध खाद का किसानों को टोकन के माध्यम से वितरण कराया जा रहा है। कतार में लगे किसानों को कर्मचारियों द्वारा पेयजल भी समय-समय पर उपलब्ध कराया गया। डिप्टी कलेक्टर सुधाकर सिंह ने उमरी में विपणन संघ के वितरण केन्द्र से किसानों को खाद का वितरण कराया। मनगवां में एसडीएम संजय जैन ने बताया कि इफको बाजार खाद बिक्री केन्द्र मनगवां से चार दिनों में 1400 से अधिक किसानों को 183 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया है। यहाँ नायब तहसीलदार अनुपम पाण्डेय की देखरेख में खाद का वितरण किया गया।

नि:शुल्क रक्तदान पर खेल, रीवा के दो बड़े अस्पतालों में नहीं हो रही ब्लड सर्टिफिकेट की अदला-बदली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ जिला अस्पताल बिछिया और संजय गांधी अस्पताल के बीच ब्लड डोनर सर्टिफिकेट को लेकर समन्वय की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिससे मरीज और उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। रीवा के जिला अस्पताल और संजय गांधी अस्पताल—दोनों ही सरकारी अस्पताल हैं और महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। यहाँ पर जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है, तो उसे 3 महीने की वैधता वाला सर्टिफिकेट मिलता है, जिससे जरूरत पड़ने पर किसी मरीज के लिए ब्लड लिया जा सके।

लेकिन परेशानी यह है कि जिला अस्पताल से मिला सर्टिफिकेट संजय गांधी अस्पताल में मान्य नहीं है और संजय गांधी अस्पताल से मिला सर्टिफिकेट जिला अस्पताल में काम नहीं आता। इस वजह से मरीजों को खून की जरूरत पड़ने पर बेहद दिक्कत झेलनी पड़ती है। युवा नेता और समाजसेवी अविराज ने आरोप लगाया कि ब्लड प्रभारी इस मामले में समुचित समन्वय नहीं करते। उन्होंने कहा कि सर्टिफिकेट को दोनों अस्पतालों में मान्यता दी जानी चाहिए ताकि आम लोगों को राहत मिले।

इस पूरे मामले पर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान निकालने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि रक्तदान तो लोग कर रहे हैं, लेकिन ब्लड सर्टिफिकेट की अदला-बदली न होने से मरीजों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा। अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग इस व्यवस्था को कब तक सुधारता है।

भगवान बिरसा मुंडा कॉलेज दिव्यगवां में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा कॉलेज दिव्यगवां में प्राचार्य डॉ. दिनेश यादव के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा छात्रों के बीच वित्तीय साक्षरता की जानकारी प्रदान करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मुंबई के विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील शर्मा का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉक्टर बालेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवेयरनेस प्रोग्राम में विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील शर्मा ने छात्रों और प्रतिभागियों को निवेश संबंधी जागरूकता प्रदान की। उन्होंने शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, एसआईपी तथा निवेश से जुड़ी बुनियादी जानकारियों पर प्रकाश डाला।

प्रशासन से खाद वितरण कार्ड जारी करने को लेकर किसान यूनियन ने की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए भारतीय किसान यूनियन टिकैत (मध्यप्रदेश) ने जिला प्रशासन से खाद वितरण कार्ड लागू करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में कई बार एक ही व्यक्ति बार-बार खाद ले लेता है, जिससे वास्तविक किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पाती। प्रदेश प्रवक्ता विश्वनाथ पटेल 'चोंटीवाला' ने कहा कि यदि कार्ड आधारित प्रणाली लागू हो जाए तो कालाबाजारी, अव्यवस्था और पक्षपात पर रोक लगेगी। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि खाद केवल वास्तविक पात्र किसानों तक ही पहुँचे।

पटेल ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन जल्द ठोस कदम नहीं उठाता तो किसान संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए तुरंत प्रभाव से व्यवस्था में सुधार किया जाए, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। किसान यूनियन ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया, तो किसान अपनी आवाज उठाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि वे किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लें और आवश्यक कदम उठाएं। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने खाद वितरण में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो किसानों के हित में है।

पचपहरा में दीवार तोड़कर 20 बकरियां चोरी, मालिक को 1 लाख से ज्यादा का नुकसान; शिकायत दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मध्य प्रदेश के मऊगंज थाना क्षेत्र के पचपहरा गांव में चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने बाड़े की दीवार तोड़कर 19 बकरियां और एक बकरा चुरा लिया। पीड़ित रामस्वरूप यादव पचपहरा गांव में पाही बनाकर करीब 40 बकरियां पालते हैं। चोरी गई बकरियों की कीमत 1 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। वारदात रात करीब 11 बजे की है। परिवार के सदस्य खाना खाकर बगल के कमरे में सो गए थे। सुबह 4 बजे रामस्वरूप की नींद खुली। उन्होंने देखा कि बकरियों के बाड़े की दीवार टूटी हुई थी। बाड़े से 20 बकरियां गायब थीं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।